जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 29 प्रभात उदयपुर, शनिवार 2 दिसम्बर, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विजयी विधायकों की बाड़ाबंदी में जुटी कांग्रेस

सभी विजयी विधायकों को कर्नाटक या हिमाचल भेजने की तैयारी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। एग्ज़िट पोल्स द्वारा तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी किए जाने के साथ ही कांग्रेस ने अपने विधायकों को ''हॉर्स ट्रेडिंग'' की आशंकाओं के मद्देनज़र अपने निर्वाचित विधायकों को कांग्रेस शासित कर्नाटक में तुरत-फुरत भेजने की योजना बनाई है।

वर्ष 2018 में मध्य प्रदेश में सरकार का गठन करने के बावजूद उसके हाथ से सत्ता निकल गई थी, जबकि महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) सरकार शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट द्वारा की गई तोड़फोड़ के बाद गिर गई थी।

चूंकि, कुछ चुनिंदा एग्ज़िट पोल्स ने छत्तीसगढ़ में भी कांटे के मुकाबले की भविष्यवाणी की है, इसलिए रायपुर में भी ऐसे ही प्रबंध किए जा रहे हैं। खबरों के अनुसार निर्वाचित कांग्रेस प्रत्याशियों को हवाई जहाज से बैंगलुरु ले जाने के प्रबंध कर लिए गए हैं और इस उद्देश्य को लेकर एक 72 सीटर चार्टर्ड एयरक्राफ्ट उड़ान भरने के लिए तैयार है। कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 3 दिसम्बर को अपनी जीत का प्रमाण पत्र लेने के बाद राजधानी रायपुर में एकत्रित हो जाएं। बताया जाता है कि आगामी 3 दिसम्बर को नाईट स्टे के लिए रायपुर के वी.आई.पी. रोड़ स्थित एक फाईव-स्टार होटल को पहले ही बुक कर लिया गया है।

- बैंगलूरू में कई रिसॉर्ट बुक करवाए गए हैं।
- कुछ एग्ज़िट पोल नतीजों में कांटे की टक्कर या बहुमत का अंतर कम रहने की संभावना जताए जाने पर कांग्रेस में भारी सक्रियता देखी जा रही है।
- बताया जाता है कि, राजस्थान जहां अधिकांश एग्ज़िट पोल ने कांग्रेस की हार की भविष्यवाणी की है, वहां भी कांग्रेस नेतृत्व बाड़ाबंदी में जुट गया है।
- इन राज्यों के विधायकों की सुरक्षा भी कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ही करने वाले हैं।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी कांटे का मुकाबला रहने की सूरत में ऐसी संभावना है कि कांग्रेस के प्रबंधक अपने विधायकों को कर्नाटक या हिमाचल प्रदेश के सुरक्षित क्षेत्र में शिफ्ट करने की रणनीतियां बनाएंगे।

पिछले वर्षों में, विपक्षी पार्टियों और खासकर कांग्रेस ने भाजपा पर प्रायः यह आरोप लगाया था कि वह जनादेश को पलटने के लिए ई.डी. और सी.बी.आई. जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर हॉर्स ट्रेडिंग कर रही है। पिछले वर्ष के नवम्बर माह में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश का विधानसभा चुनाव जीता था।

लेकिन उसके विधायक तब से लेकर अब तक यही आशंका व्यक्त करते रहे हैं कि स्थानीय भाजपा सुखविन्दर सिंह सूखु सरकार को गिराने की साजिश रच रहे हैं।

अब तीन को नहीं चार दिसम्बर को आयेंगे मिज़ोरम के नतीजे

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। मिजोरम में हुए विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वोटो की गिनती की तारीख बदल दी गई है। भारत के निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को मिजोरम विधानसभा चुनाव की मतगणना की तारीख बदलकर 4 दिसंबर कर दी। पहले मतगणना रविवार 3 दिसंबर को होनी थी। चुनाव आयोग ने कहा कि तारीख बदलने की मांग के मद्देनजर मतगणना अब 4 दिसंबर को की जाएगी।

बता दें मिजोरम में एनजीओ कोऑर्डिनेशन कमेटी (एनजीओसीसी) के सदस्यों ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा चुनाव के बाद तीन दिसंबर को प्रस्तावित मतगणना की तिथि में बदलाव को लेकर राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किया। राज्य की राजधानी आइजोल और अन्य जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन किये गये। एनजीओसीसी नागरिक समाज के प्रमुख संगठनों और छात्र समूहों एक व्यापक संगठन है जिसमें प्रभावशाली सेंट्रल यंग मिजो एसोसिएशन (सीवाईएमए) और मिजो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत के निर्वाचन आयोग ने स्थानीय ईसाई संगठनों की व्यापक मांग को मानते हुये मिज़ोरम में हुए विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वोटों की गिनती की तारीख बदल दी है।

तेलंगाना में तैयार है कांग्रेस का प्लान बी, शिवकुमार होंगे सूत्रधार

तेलंगाना में त्रिशंकु विधानसभा बनी तो कर्नाटक में होगी कांग्रेसी विधायकों की बाड़ाबंदी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। कांग्रेस तेलंगाना में बहुमत मिलने और वहां सरकार गठित करने को लेकर अति उत्साहित हैं, क्योंकि माना जा रहा है कि मतगणना के बाद प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहने वाली भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) और भाजपा के बीच एक बड़ा अन्तर रह सकता है। लेकिन, ऐसा भी हो सकता है कि कांग्रेस शायद बहुमत से थोड़ी दूर रह जाए, ऐसी सूरत में ''प्लान बी'' तैयार है। हालांकि विभिन्न एग्ज़िट पोल्स में कांग्रेस को तेलंगाना में सहज रूप से बहुमत मिलना बताया गया है।

इसीलिए, कांग्रेस के विश्वस्त व्यक्ति एवं पिछले कई वर्षों से पार्टी विधायकों के संरक्षक कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार अपनी चिरपरिचित भूमिका में आ गए हैं और तेलंगाना के साथ ही यदि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ या राजस्थान में चुनाव परिणाम अन्ततः रोचक बन जाते हैं तो वह विधायकों की मेज़बानी के लिए तैयार हैं।

- कांग्रेस को हालांकि तेलंगाना में 60 विधायक मिलने का अनुमान है, पर अगर इसमें मामूली सी कमी आई तो जादुई आंकड़ा हासिल करने के लिए ''प्लान बी'' की तैयारी है, इसे सक्रिय करने के लिए शिवकुमार से बेहतर कोई दूसरा नहीं है कांग्रेस के पास।
- कर्नाटक में उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कई सालों से कांग्रेस के विधायकों के संरक्षक बने हुए हैं और तेलंगाना के लिए भी उन्होंने प्लान बी तैयार कर लिया है न केवल तेलंगाना के, बल्कि जरूरत पड़ी तो वे मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ के विधायकों की भी बाड़ाबंदी करेंगे।
- शिव कुमार इससे पहले राज्यसभा चुनाव के समय गुजरात के विधायकों की बाड़ाबंदी भी कर चुके हैं।

चूंकि, एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणी के अनुसार छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मतगणना में अंतिम समय तक कोई ठोस नतीजा निकलने की उम्मीद नहीं है, इसलिए वह आगे की स्थिति को लेकर थोड़ा चिन्तित है। उस सूरत में कांग्रेस को शिवकुमार याद आई है, जिन्होंने पिछले कई अवसरों पर पार्टी के विधायकों का संरक्षण किया है, फिर वो चाहे गुजरात के कांग्रेस विधायक हों (राज्यसभा चुनावों के दौरान) या फिर मध्य प्रदेश के अथवा कर्नाटक के हों।

ऐसी पूर्व तैयारी के लिए अन्य नेताओं को तो रिज़ार्ट बुक कराने होंगे, लेकिन शिवकुमार को नहीं, क्योंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंक के असिस्टेंट मैनेजर ने किया एक करोड़ रू. का गबन

जोधपुर, 1 दिसम्बर (कासं)। जोधपुर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में करीब एक करोड़ रुपए के गबन का मामला सामने आया है। आरोपी बैंक का ही असिस्टेंट मैनेजर है, जो करीब 2 साल से बैंक को चूना लगा रहा था। उसने फर्जी डॉक्युमेंट के जरिए 5 लाख की लिमिट वाले 20 क्रेडिट कार्ड इश्यू करवाए। खुद उन्हें वैरिफाई किया। वह इन क्रेडिट कार्ड से दोस्तों-रिश्तेदारों के शॉपिंग और अन्य बिल जमा करवाता था। बदले में उनसे कैश ले लेता था।

- यूनियन बैंक के असिस्टेंट मैनेजर आकाश वर्मा ने 5 लाख रू. की लिमिट वाले 20 क्रैडिट कार्ड खुद ही इश्यू करवाए, खुद ही वैरिफाई किए। वर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

गबन का मामला तब सामने आया, जब बैंक ने उन क्रेडिट कार्ड की जानकारी जुटाई, जिनके बिल लंबे समय से बकाया चल रहे थे। गुरुवार को मामला सामने आते ही बैंक प्रबंधक ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में राहुल का विमान लैंड नहीं कर सका

कांग्रेस का आरोप रक्षा मंत्रालय ने विमान लैंड करने की अनुमति नहीं दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। कांग्रेस ने आज आरोप लगाया कि उसके नेता राहुल गांधी के हवाई जहाज को रक्षा मंत्रालय ने केरल के नौ सेना एयरपोर्ट पर लैण्ड करने की अनुमति नहीं दी।

एर्नाकुलम की डिसिट्रक्ट कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद शियाज़ ने आरोप लगाया कि मंत्रालय ने हवाई जहाज को नेवल एयरपोर्ट पर लैण्ड करने की शुरूआत में अनुमति प्रदान कर दी थी, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया।

शियाज़ ने मीडिया को बताया कि इसके परिणाम स्वरूप, गांधी को कन्नूर से ला रहे एयरक्राफ्ट को निकटवर्ती नेडुम्बासरी के कोचिन इन्टरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सी.आई.ए.एल.) पर उतरने के लिए निर्देशित किया गया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, नौ सेना स्टेशन पर प्राइवेट जैट्स को लैण्ड करने की अनुमति देने का निर्णय रक्षा मंत्रालय ने लिया था।

- कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि, रक्षा मंत्रालय ने पहले अनुमति दे दी थी पर अचानक अनुमति रद्द कर दी और ऐसा ''ऊपर के आदेश'' के कारण किया गया है।
- एर्नाकुलम कांग्रेस इकाई ने आरोप लगाया है कि, रक्षा मंत्रालय ने अनुमति नहीं दी, इसलिए विमान को कोचीन एयरपोर्ट पर लैंड करवाना पड़ा।

विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि, निर्णय सतही तौर पर रक्षा मंत्रालय द्वारा लिया गया किन्तु वास्तव में इसके लिए मोदी सरकार के उच्च स्तरों से निर्देश मिले।

लोकतांत्रिक देशों में सत्तारूढ़ पार्टियों द्वारा विपक्षी दलों के लिए जिस शिष्टाचार का अभ्यास और परिचय दिया जाता है, यहां की सत्तारूढ़ पार्टी उन नियमों के लिए वैसी परवाह नहीं करती। सरकार के संसदीय प्रारूपों मे सत्तारूढ़ पार्टी से विपक्ष तथा खासतौर पर मुख्य विपक्षी दलों के नेताओं के प्रति आदरभाव व्यक्त करने के लिए नियम व परिपाटियों की पालना करने की अपेक्षा की जाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार तय नियमों और परिपाटियों की अनदेखी कर विपक्षी पार्टियों के खिलाफ तमाम हथकड़े अपनाकर उनकी नकारात्मक छवि बना रही है, क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि इन हथकंड़ों से जनता के मन विपक्षी दलों की छवि बिगड़ जाएगी।

फ्लाइट में महिला की धड़कन रूकी, उदयपुर के दो डॉक्टरों ने बचाई जान

दोनों डॉक्टर जयपुर जा रहे थे, महिला को सीपीआर प्रक्रिया से दिया उपचार

उदयपुर, 1 दिसम्बर (कासं)। कई बार ऐसे पल आते हैं जब लोग जीवन की उम्मीद छोड़ देते हैं उस समय डॉक्टर मौत को मात देकर जिंदगी बचा लेते हैं। शायद इसीलिए डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है। ऐसा ही कुछ मामला बीते दिनों उदयपुर से जयपुर जा रही फ्लाईट में सामने आया जहां उदयपुर के दो चिकित्सक एक महिला के लिए 'भगवान' साबित हुए। वायुयान प्रबंधन ने इसके लिए दोनों डॉक्टर्स के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए महिला की जान बचाने के लिए धन्यवाद का ईमेल भी भेजा है।

डॉ. प्रकाश जैन ने बताया कि गत 21 नवम्बर को उदयपुर के दो स्त्री रोग विशेषज्ञों डॉ. प्रकाश जैन और डॉ. प्रदीप बंदवाल व चिकित्सकों का दल जयपुर में एक कार्यक्रम में भाग लेने फ्लाइट से जयपुर जा रहे थे। उदयपुर से उड़ान भरने की थोडी देर में कोलकता की 50 वर्षीय महिला यात्री बेसुध होकर अपनी सीट से नीचे गिर गई। महिला के पति घबरा गये और उन्होंने सभी को महिला के अचेत होने के बारे में बताया। महिला की स्थिति देखकर लग रहा था कि उसकी मृत्यु हो गयी है क्योंकि धड़कन चल नहीं रही थी।

- घटना 21 नवम्बर की है, जब उदयपुर से जयपुर की फ्लाइट में कोलकाता निवासी महिला अचानक बेसुध होकर सीट से नीचे गिर गई थी।
- बताया जाता है कि, स्त्री रोग विशेषज्ञ दोनों चिकित्सक डॉ. प्रकाश जैन और डॉ. प्रदीप बंदवाल किसी कार्यक्रम में शामिल होने जयपुर जा रहे थे।
- दोनों चिकित्सकों ने 30 मिनट तक लगातार कोशिश की और अंततः महिला की जान बचा ली।
- वायुयान प्रबंधन ने दोनों डॉक्टर्स को इसके लिए धन्यवाद भेजा है।

डॉ. प्रदीप बंदवाल ने बताया कि ये प्राथमिक तौर पर हृदय विकार के कारण धड़कन रूकने का मामला लग रहा था और इस स्थिति में सीपीआर प्रक्रिया से मरीज की धड़कन लाने का प्रयास किया जा सकता है। हम दोनों ने महिला को सीपीआर देना शुरू कर दिया और लगातार 10 मिनट तक कोशिश करने के बाद महिला फिर सांस लेने लगी, एक बार तो सभी की लगा महिला की जान बच गयी है। लेकिन ये खुशी चंद पलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

मौसमी बीमारियों की गिरफ्त में राजस्थान

प्रदेश में अनेक स्थानों पर बारिश, ओलावृष्टि के बाद मौसम ठंडा हो गया है और साथ ही घर-घर में सर्दी, खासी, जुखाम, बुखार, फ्लू जैसे वायरल इंफेक्शन के केस बढने लगे है। डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया ने भी पैर पसार लिए है। मौसम में आये बदलाव के साथ ही मौसमी बीमारियों ने दस्तक दे दी है। घर-घर में मौसमी बीमारियों से पीडित लोगों की संख्या बढती ही जा रही है। इस वर्ष अब तक डेंगू के मरीजों की संख्या करीब 15 हजार तक पहुंचने के समाचार है। मौसम में अचानक आए बदलाव के बाद मरीजों के आंकडे में भारी उछाल आया है।

अस्पतालों के आउटडोर में खांसी, जुकाम और बुखार के मरीजों की संख्या भी बढने लगी है। इस मौसम में ठंडी हवा चलती है जिससे अस्थमा और ब्रोंकाइटिस का खतरा रहता है। मौसम का यह बदलाव मानव के स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। मौसम में परिवर्तन को झेल नहीं पाते और तबीयत बिगड जाती है। विशेषकर जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है वे मौसमी बीमारियों का शिकार जल्दी हो जाते है। मौसम परिवर्तन और बीमारियों का चोली-दामन का साथ है। नवम्बर का महीना शुरू होते-होते मौसम भी करवट लेता है। इस समय माह नवम्बर समाप्त हो गया है और दिसंबर ने दस्तक दे दी है। सर्दी लगातार बढती जा रही है। अनेक स्थानों पर कोहरे का प्रकोप भी देखा जा रहा है। तापमान में भी घटत-बढत होता है। इससे बचने का एक मात्र उपाय सतर्कता और जागरूकता ही है। यह बीमारियां आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित कर कई बार आपके आंतरिक अंगों को भी प्रभावित करती हैं। इनसे बचने के लिए सावधानी रखना बेहद आवश्यक है।

भारत सरकार के निर्देशों के बाद राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने चीन में बढ रहे निमोनिया के मामलों को देखते हुए राज्य के सभी जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए एडवाइजरी जारी की है, जिसके मुताबिक राजस्थान के सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपल, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी और सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के साथ ही निजी अस्पतालों पर निगरानी रखने को कहा गया है। राज्य सरकार ने संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों से बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए 3 दिन में कार्य योजना तैयार करने को कहा है। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने अधिकारियों से कहा कि वर्तमान में चिंताजनक बात नहीं है, लेकिन संक्रामक रोगों की निगरानी और रोकथाम के लिए पूरी सतर्कता आवश्यक है। उन्होंने मामले में अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने और संभाग एवं जिला स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित करने को कहा है।

कहते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में कंस्ट्रक्शन बढ़ा है। यह मच्छरों से होने वाली बीमारी का एक कारण है। कंस्ट्रक्शन साइट्स पर मच्छर ज्यादा पनप रहे हैं। वहीं पहले के मुकाबले सर्विलांस बढ़ा है। इस वजह से भी डेंगू के मामले अधिक दर्ज हो रहे हैं। बताते हैं कि न तो डेंगू, चिकनगुनिया की कोई दवा है और न ही वैक्सीन।

राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, यूपी,एमपी आदि प्रदेशों से मिली खबरों के मुताबिक मौसम परिवर्तन के साथ ही मौसमी बीमारियां और वायरल बुखार का प्रकोप पैर पसारने लगा है, जिसके चलते चिकित्सालय में मरीजों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। मौसम परिवर्तन के साथ ही सर्दी, खांसी- जुकाम, चिकनगुनिया, डेंगू, वायरल बुखार, उल्टी- दस्त के रोगियों की संख्या बढी है। मच्छरों का प्रकोप भी बीमारियां बढाने में सहायक हो रहा है। डॉक्टरों के अनुसार तापमान में उतार-चढाव के चलते मौसमी बीमारियां बढी हैं। इस मौसम में जोडों में दर्द, बदन दर्द, सिरदर्द, खांसी, जुकाम एवं बुखार होता है। बदलते मौसम में खान पान में सतर्कता रखनी जरूरी है। इस मौसम में बचाव करने की बेहद जरूरत है। सुबह-शाम को खासतौर पर गर्म कपडे जरूर पहनें अन्यथा सर्दी की चपेट में आने की संभावना है। बच्चों का खास ध्यान रखना चाहिए और बच्चों को गर्म इनरवियर पहनाने चाहिए।

खान-पान और साफ-सफाई का ध्यान न दे पाने की वजह से चिकनगुनिया और डेंगू की समस्या से लोगों को दो-दो हाथ करने पड रहे है। मौसम बदलने के साथ ही बीमारियों का होना भी शुरू हो जाता है और बुखार-जुकाम आदि बीमारियां ज्यादा होने लगती है। चिकनगुनिया, डेंगू आदि होने का खतरा भी बढ जाता है और कई बार हम पहचान नहीं कर पाते हैं कि रोगी को चिकगुनिया का बुखार है या डेंगू बुखार या फिर सामान्य बुखार। इस वजह से बीमारी ज्यादा बढ जाती है और मुश्किल से नियंत्रण में आती है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम परिवर्तन और तेजी से होने वाले शहरीकरण के असर ने इन बीमारियों को फैलने में सहायता की है।

कहते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में कंस्ट्रक्शन बढा है। यह मच्छरों से होने वाली बीमारी का एक कारण है। कंस्ट्रक्शन साइट्स पर मच्छर ज्यादा पनप रहे हैं। वहीं पहले के मुकाबले सर्विलांस बढा है। इस वजह से भी डेंगू के मामले अधिक दर्ज हो रहे हैं। बताते हैं कि न तो डेंगू, चिकनगुनिया की कोई दवा है और न ही वैक्सीन। चिकनगुनिया और डेंगू मच्छर के काटने की वजह से होते हैं। मादा एडिस एजिप्टी मच्छर के काटने कारण माना जा रहा है। लेकिन कुछ मामलों में, एडीज मच्छर का काटना भी इस बीमारी की वजह मानी जा रही है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि 5 अलग-अलग प्रकार के वायरस इन मच्छरों से फैल रहे हैं, जो इस बीमारी का कारण बन रहे हैं। डेंगू गैर-संक्रामक है, यह एक मरीज से सीधे किसी अन्य व्यक्ति में नहीं फैल सकता। चिकनगुनिया वायरस भी मच्छर ही द्वारा किया जाता है। हालांकि दोनों बीमारियों की पहचान विशिष्ट वायरस से हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष देश में डेंगू बुखार के दर्ज केसों संख्या एक लाख को पार हो गई है।

चिकनगुनिया में तेज बुखार, लगातार सिरदर्द, आंखों से पानी आना और थकान होना इसकी विशेषता है। इस बीमारी में भले बुखार उतर जाए, लेकिन थकान और सिरदर्द बना रहता है। अधिकांश रोगियों को जोडों में दर्द की शिकायत भी होती है। यह दर्द हफ्तों और महीनों के लिए बना रह सकता है। तेज बुखार, सिर दर्द, मतली आना, बदन दर्द और लाल चकत्ते होना डेंगू की पुष्टि करता है। रोगियों की संख्या में डेंगू बुखार एक रक्तस्त्रावी जो अनिश्चितता के बादल कम ब्लड प्लेटलेट्स का स्तर और रक्त प्लाज्मा के रिसाव में परिणाम का कारण बनता है। डेंगू भी भारी रक्तस्त्राव मौत का कारण बन सकता है। डेंगू और चिकनगुनिया के बीच का अंतर जानने के लिए रोगी के खून की जांच जरूरी है। इससे खून में मौजूद विशिष्ट वायरस का पता लगा सकते हैं।

-अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

मैं जानूं यह सच नहीं पर मैं मानूं नाहिं

डॉ. रामावतार शर्मा

मानव मनोविज्ञान का गहन अध्ययन और फिर उसका व्यवहार में उपयोग कई रोचक बातों को सामने लाता है। आज जब हम अपने चारों तरफ देखते हैं तो हर तरफ कारें दौड़ रही हैं, आसमान में हवाई जहाज उड़ रहे हैं, कंप्यूटर हर कार्य को तेजी से करने में सहायक हो रहा है तथा तकरीबन हर व्यक्ति मोबाइल का उपयोग कर रहा है। भौतिक रूप में तो विज्ञान हर घर तक पहुंच गया है परंतु क्या लोग विचार तथा व्यवहार में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं? यहां काफी कठिनाई वाली बात नजर आ रही है। विज्ञान और तर्क को उपयोग में लाना तो आसान है पर वैज्ञानिक तथा तार्किक दृष्टिकोण अपनाना उतना आसान कार्य नहीं है। इसका एक कारण तो यह है कि लकीर का फकीर बने रहने में लोगों को सुरक्षा का भ्रम बना रहता है। लोग एक काल्पनिक दुनिया बुनते हैं और उसी में अपने आप को सबसे अधिक सुरक्षित महसूस करते है जबकि आंकडों और वस्तुस्थिति के अनुसार यह सत्य नहीं है परंतु पूर्वाग्रहों की जड़ें बहुत गहरी होती हैं जिन्हें सामान्य व्यक्ति उखाड़ना नहीं चाहता है।

यह सर्वविदित तथ्य है कि ज्यादातर लोगों के जीवन में सर्वाधिक कष्ट अपने परिवार, अपने समाज, जाति और धर्म के लोग ही देते हैं परंतु वे लोग नफरत और वैमनस्य विधर्मी, विजातीय लोगों के साथ रखते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इन मामलों में हां में हां मिलाने वालों की कमी नहीं है। भीड़ सुरक्षा का भ्रम पैदा करती है और ऊपर से ये लोग कल्पना करने लगते हैं कि ऐसा कार्य कर वे अपने धार्मिक कर्तव्य का वहन कर रहे हैं। नोन लगे न फिटकरी और रंग चोखा आवे वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए ये लोग तार्किक आपत्ति उठाने वालों को वामपंथी और मैकॉले के शिष्य घोषित कर संवाद की सारी संभावनाएं समाप्त कर देते हैं। अपने दिल में वे जानते हैं कि जिस रास्ते की तरफ वे इंगित कर रहे हैं वहां हिंसा और विनाश है, समाधान नहीं परंतु उनका अहंकार उन्हें सत्य से दूर रखता है।

मनोवैज्ञानिक शोधकर्ताओं के अनुसार धरती के करीब 98 प्रतिशत लोग किसी न किसी अंधविश्वास (सुपरस्टीशन), मिथक (झूठी कहानी), भ्रम (इल्यूजन) या पूर्वाग्रह (प्रेज्यूडिस) का बोझा ढोते रहते हैं। जो बचे हुए दो प्रतिशत हैं वे इन 98 प्रतिशत लोगों के बारे में इन्हीं सब बातों को ढोते रहते हैं। विशुद्ध तर्क आधारित और निर्लिप्त जीवन अपने आप में एक काल्पनिक बात हो सकती है। ऐसी स्थिति में मध्यम मार्ग ही सबसे बेहतर रास्ता लगता है जिसमें अधिकतर जीवन तर्क आधारित और पूर्वाग्रह मुक्त रहे और मनुष्य सामाजिक उपयोगिता के साथ आनंदमय जीवन जिए। अब सवाल उठता है कि फिर लोग इस तरह का जीवन क्यों नहीं जी रहे हैं जो सामान्य तर्क पर आधारित हो? यहां यह देखा गया है कि जो सभ्यता जितनी प्राचीन होती है उस पर मिथक और अंधविश्वासों का उतना ही बोझ होता है। शायद यही कारण है जिसके फलस्वरूप भारत, चीन और मिस्त्र के समाजों में मिथक, अंधविश्वासी परंपराओं, किवदंतियों आदि की भरमार है जो धर्म, संस्कृति या फिर सामाजिक व्यवहार पर आधारित होते हैं। आधुनिक वैश्वीकरण के बाद से कई नए पूर्वाग्रह और अंधविश्वास विभिन्न मानव समूहों में प्रविष्ट होते नजर आ रहे हैं।

परिभाषा की दृष्टि से देखें तो अंधविश्वास वह अवधारणा है जो तर्क या विज्ञान की कसौटी पर खरा न उतर पाए और जिसका वास्तविकता या क्रिया प्रतिक्रिया से कोई संबंध नजर नहीं आता हो। बार बार गलत सिद्ध होने के बावजूद भी लोग अपने विश्वास तंत्र से मुक्त नहीं होना चाहते। भविष्यवाणी या कर्मकांड के असंख्य असफल उदाहरणों के बावजूद भी लोग इन्हें छोड़ने का साहस नहीं दिखा सकते। परंपराएं और अंधविश्वास स्वपोषित होते हैं। इन्हे कोई चलाता नहीं। ये स्वयं चलते रहते हैं क्योंकि 98 प्रतिशत जनता यथास्थिति बनाए रखने में विश्वास करती है क्योंकि वह हर अनिश्चितता से भयभीत हो जाती है। यह तकरीबन उसी तरह होता है जहां बार-बार की असफलता के बावजूद लोग चुनावों के एग्जिट पोल को बड़ी व्यग्रता से सुनते हैं। असफल विवाहों के पहाड़ के नीचे जन्मपत्री के गुण मिलाते हैं, अपने नाम को अंग्रेजी में विचित्र तरह से लिखते हैं ताकि कृपा बरसे!

लोग अपने हृदय में तो जानते हैं कि अंधविश्वास, मिथक, पूर्वाग्रह क्या है पर वे इसे स्वीकार नहीं करते। उनका मानना है कि चलो इसे भी कर लेते हैं क्योंकि कोई नुकसान तो नहीं हो रहा। अपने इस तर्क द्वारा वे तर्क आधारित वैज्ञानिक मन के विकास को बार-बार नष्ट करते रहते हैं जिसके परिणाम स्वरूप एक समय के बाद उनका जीवन पूरी तरह से इन कुरीतियों और पूर्वाग्रहों में जकड़ जाता है जिससे मुक्ति तकरीबन असंभव सी हो जाती है। याद रखना चाहिए कि कोई भी कुरीति, अंधविश्वास, अंध परंपरा, पूर्वागृह और मिथक न तो प्रभावहीन होता है और ना ही अहानिकर होता है क्योंकि वह बौद्धिक एवम् वैज्ञानिक विकास को अवरूद्ध करता है। समाज में विभक्ति और राष्ट्र के ह्रास में पूर्वाग्रहों और मिथकों का बड़ा योगदान होता है क्योंकि ये सब हिंसा तथा विघटन को जन्म देते हैं। अंधविश्वास और मिथक इस लिए कालजयी हो जाते हैं क्योंकि मानव जाति में बहुसंख्यक लोगों की रूखी जिंदगी में ये थोड़ा परिवर्तन लाते हैं। सारे वैज्ञानिक विकास के बावजूद चांद के दिखाई देने का इंतजार, भूख के बाद मृत्युपर्यंत 36 पकवानों का सेवन, परियां, हूरें और अप्सराएं आदि बातें आज भी मानव के विचारों की गहराई में बैठी हैं। जीवन हमारी आंखों के सामने फल, फूल और अनाज के रूप में पृथ्वी से फूट रहा है परंतु हम दुआएं, प्रार्थनाएं आसमान की तरफ कर रहे हैं। तर्क और साक्ष्य की बातें करने वाला वामपंथी घोषित हो जाता है और पोंगापंथी व्यक्ति के सामने धनी, बली और समाज के नायक साष्टांग दंडवत हो रहे हैं।

अंधविश्वासों ने मानव जीवन के हर पक्ष पर अपनी जकड़ मजबूत कर ली है। भाग्य, दुर्भाग्य, पनौती, शुभ, अशुभ आदि के चक्रव्यूह में फंसा मानव समाज का बहुमत तर्क को लगातार परे धकेलता जा रहा है। पर याद रखा जाना चाहिए कि तर्क की हार और अंधविश्वास की विजय

एक दिन पृथ्वी पर वास्तविक काले युग को जन्म देगी जो एक बड़ी त्रासदी साबित होगी, जिसे रोका जा सकता है।

-डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

सिंघाना-चिड़ावा के बीच टोल टैक्स नहीं होने के बावजूद भी यात्रियों से वसूले जा रहे रुपए

खेतड़ी, (निसं)। राजस्थान रोडवेज के नियमों के चलते क्षेत्र की जनता को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सिंघाना से चिड़ावा के रूट पर चलने वाली बसों में यात्रियों से टोल टैक्स के नाम पर रुपए वसूले जा रहे हैं, जबकि 29 किलोमीटर की इस दूरी में एक भी टोल टैक्स मौजूद नहीं है।

सिंघाना निवासी बिहारी लाल कुमावत ने बताया कि वह 28 नवंबर को वह खेतड़ी डिपो की रोडवेज बस में सवार होकर सिंघाना से चिड़ावा गया था। इस दौरान जब उसे कंडक्टर ने टिकट दी तो 20 रूपए वसूले गए, जिसमें टोल टैक्स के दो रूपए अलग से दर्शाए गए हैं। इसके अलावा जब वह 29 नवंबर को वापस अपने घर सिंघाना आ रहा था तो झुंझुनू डिपो को बस में उससे 26 रूपए वसूल किए गए। उसे कंडक्टर द्वारा दी गई टिकट में भी दो रूपए टोल टैक्स के दर्शाए हुए हैं, जबकि सिंघाना-चिड़ावा सड़क पर वर्तमान में कोई टोल टैक्स भी मौजूद नहीं है। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार की ओर से रोडवेज बसों में महिलाओं को किराए में छुट करने की घोषणा की गई थी, लेकिन अधिकांश बसों में सरकार के नियमानुसार किराए में छूट भी नहीं दी जा रही है। उससे वरिष्ठ नागरिक की टिकट दिए जाने के बाद भी दोनों बसों में अलग-अलग किराया वसूल किया गया, जिससे रोडवेज प्रबंधन की लापरवाही भी सामने आ रही है।

जानकारी के अनुसार सिंघाना से चिड़ावा रोड पर पूर्व में गाड़ाखेड़ा के पास टोल टैक्स स्थापित था, लेकिन जुलाई माह में टोल टैक्स की अवधि खत्म हो जाने के पर उसे हटा लिया गया था। टोल टैक्स हटाने के बावजूद भी निगम द्वारा यात्रियों को दी जाने वाली टिकट में दो रूपए अतिरिक्त रूप से वसूले जा रहे हैं। जिससे यात्रियों की जेब पर आर्थिक नुकसान पड़ रहा है। इस रूट पर राजस्थान रोडवेज की प्रतिदिन करीब 70 बसें चलती हैं। ऐसे में निगम द्वारा नियमों के फेर में आमजन से बेवजह रुपए वसूलने का काम किया जा रहा है। सिंघाना रूट पर चूरू, डीडवाना, सीकर, नागौर, बीकानेर, खेतड़ी, झुंझुनू सहित आसपास के डिपो की बसों का भी संचालन किया जा रहा है। ऐसे में यदि रोडवेज मुख्यालय से जल्द निर्देश नहीं मिलते तो जनता से वसूले जाने वाले रुपए से रोडवेज को फायदा पहुंचाने का प्रयास कर आमजन को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

खेतड़ी का केन्द्रीय बस स्टैण्ड।

- **29 किलोमीटर की इस दूरी में एक भी टोल टैक्स मौजूद नहीं है**
- **राजस्थान रोडवेज के नियमों के चलते क्षेत्र की जनता को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है**

दिलदार सिंह, डीपो मैनेजर खेतड़ी का कहना है कि साधारण व एक्सप्रेस बसों में किराया अलग-अलग होता है। टोल टैक्स पहले लगा हुआ था, लेकिन अब इसमें संशोधन नहीं किया गया है। रोडवेज मुख्यालय से निर्देश मिलने के बाद किराया सूची में संशोधन किया जाएगा।

राकेश कुमार, डीपो मैनेजर झुंझुनू का कहना है कि टोल टैक्स के नाम पर पैसे वसूल करने के मामले में मेरे को जानकारी नहीं है। मामले की जांच करवाता हूं।

"बून्दी महोत्सव" में मीठी मनुहार से अभिभूत हुए पावणे, चित्रकारों ने कैनवास पर चित्र उकेरे

पुलिस परेड ग्राउंड पर कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये।

सुख महल में देशी-विदेशी पावणों की देशी व्यंजनों से मनुहार की गई।

बूंदी (निसं)। बूंदी महोत्सव के दूसरे दिन भी विविध मनोहारी कार्यक्रमों का दौर जारी रहा। सुख महल में सुरम्य प्राकृतिक छटा के बीच देशी-विदेशी पावणों की देशी व्यंजनों से मनुहार की गई। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता वीके जैन, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महावीर कुमार शर्मा, सहायक निदेशक धनराज मीणा, मनीष मीना, जिला रसद अधिकारी शिवजीराज जाट, सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेम शंकर सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने मेहमानों की खातिरदारी करते हुए उन्हें हाड़ौती के पसंदीदा व्यंजन कत्त बाफले से सत्कार किया।

कार्यक्रम में पावणों को साफे बांधे गए और तिलक किया। पर्यटकों को रोली अक्षत का टीका किया और रक्षा सूत्र बांधे। संस्कृति संस्था की ओर से शालिनी विजय एवं सहयोगी सदस्यों ने विदेशी सैलानियों का स्वागत किया। उन्हें रोली का टीका लगाकर मुंह मीठा कराया। विदेशी महिलाओं को चूड़िया पहनाई गई और मेंहदी से हाथ सजाए गए, जिससे वे फूली न समाई। विदेशी मेहमान इस मान मनुहार से बहुत अभिभूत नजर आए और इस आयोजन को सराहते रहे। कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी नृत्य और अन्य नृत्य गीतों से समा बांधा। विदेशी सैलानी लोक कलाकारों के साथ थिरकते दिखे। इस अवसर पर बूंदी महोत्सव समिति सदस्य पुरुषोत्तम पारीक, के.सी.वर्मा, संस्कृति संस्था अध्यक्ष शालिनी विजय, अशोक शर्मा तलवास, दिनेश विजयवर्गीय आदि मौजूद रहे।

- **कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी नृत्य और अन्य नृत्य गीतों से समा बांधा**

चित्रकारों ने कैनवास पर उकेरे चित्र:- बूंदी महोत्सव के अवसर पर आर्ट गेलेरी में बूंदी ब्रश के चित्रकारों ने शुक्रवार को कैनवास पर चित्र उकेरे। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजपाल सिंह ने श्री यंत्र का चित्र उकेर कर किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने चित्र बना रहे चित्रकारों से चित्रों की जानकारी ली। चित्रकारों के चित्र की प्रदर्शनी शनिवार को आमजन के लिए लगाई जाएगी। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजी:- विविध रंगारंग कार्यक्रमों के बाद शाम को पुलिस परेड ग्राउंड पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में पर्यटन विभाग कोटा उपनिदेशक विकास पांड्या, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महावीर कुमार शर्मा, आईएएस मोहित, उप पुलिस अधीक्षक नरेंद्र पारीक ने शिरकत की। लोक कलाकारों ने नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में पाली की गंगा देवी ने तेरहताली नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। वहीं अलवर के युसूफ खान के भपंग वादक की प्रस्तुति ने दर्शकों को जोश से भर दिया। जयपुर के प्रभु लाल मीणा के आदिवासी घेरा पद दंगल ने पारंपरिक गीतों के साथ लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। बीकानेर की वर्षा सैनी के भवाई नृत्य और अलवर के बनेसिंह द्वारा प्रस्तुत रीम भवई ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी।

किशनगढ़ की किरण सैनी के द्वारा चरी नृत्य के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया, तो लोगों ने तालियां बजाकर प्रोत्साहित किया। वहीं बाड़मेर के गौतम परमार ने कालबेलिया नृत्य की जोरदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बारां के शाहाबाद निवासी गोपाल धानुक अपनी सहरिया लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति में भरतपुर के अशोक शर्मा ने मयूर नृत्य प्रस्तुति से माहौल कृष्ण भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम का संचालन नीता डांगी व पुरुषोत्तम शर्मा ने किया। कार्यक्रम में सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेम शंकर सैनी, बूंदी महोत्सव समिति सदस्य पुरूषोत्तम पारीक, अनिल शर्मा, अशोक शर्मा तलवास, के.सी.वर्मा सहित बडी संख्या में दर्शकों आदि की मौजूदगी रही।

इन चित्रकारों ने बनाये चित्र:- बूंदी ब्रश के अध्यक्ष सुनील जांगिड ने राजस्थानी पोर्टेट, विजय सिंह सोलंकी ने विरासत बचाओ, राजेन्द्र बैरागी ने सवारी की, राकेश शर्मा ने गढ़ पैलेस, पंकज सिसोदिया ने हाडी रानी का रचना पंचोली ने बूंदी शैली, हर्षा गॉड ने टाइगर एवं हेरिटेज, ब्रजेश कुमार ने सुखमहल, सोहन लाल कुम्हार ने मॉडल आर्ट, जोतेंद्र ने राजस्थानी महिला, तरु जैन ने सूर्य नारायण की प्रतिमा, विधात्री सिंह ने शिकार बुर्ज, लाभचंद ने सहरिया, प्रीति सरोजा ने हाथी पोल, हेमराज ने शैल चित्र, विवेक ने हेरिटेज का चित्र बनाया। चित्रकला कार्यशाला में कोटा से भी चित्रकार आए है। इस अवसर पर सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेमशंकर सैनी, खेल अधिकारी वाई बी सिंह, नंद प्रकाश शर्मा सहित बूंदी ब्रश एवं स्कूल के छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

राशिफल शनिवार 2 दिसम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, अश्लेषा नक्षत्र रात्रि 9:36 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 8:55 तक, वणिज करण सांय 7:28 तक, चन्द्रमा रात्रि 9:36 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 2:06 तक है और रात्रि 9:36 से आरम्भ होगा। यमघट योग रात्रि 9:36 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा रात्रि 7:28 से आरम्भ होगी। आज छींठ छट है। आज कृषि और शिक्षा दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:22 से 9:40 तक, लाभ-अमृत 9:40 से 12:16 तक, शुभ 1:35 से 2:53 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:04, सूर्यास्त 5:29

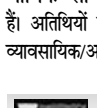

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण-धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

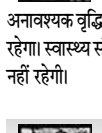

सिंह

अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

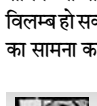

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमतान से संपन्न हो सकते हैं।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मकर

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। आज धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

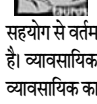

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक विवादों का निपटारा हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

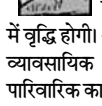

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

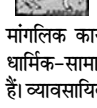

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

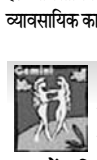

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। व्यावसायिक कार्य के संबंध में उचित परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ कार्य संपन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सार-समाचार

हादसे में युवक की मौत, एक घायल

डूंगरपुर, (निसं)। जिले दोवड़ा थाना क्षेत्र रामगढ गांव नई बस्ती के निकट एक तेज रफ्तार बाइक ने अन्य बाइक पर घर जा रहे दो युवकों टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर मौत हो गई। वही पीछे बैठा दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी अनुसार दोवडा थाना क्षेत्र विकासौर गांव निवासी जयेश पुत्र सुखलाल ननोमा ओर कांतिलाल पुत्र धनजी ननोमा दोनो रामगढ गांव से बाइक से घर लोट रहे थे। बाइक जयेश चला रहा था। जैसे ही दोनो बाइक से रामगढ गांव के नई बस्ती के पास पहुंचे इस दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक सवार ने जयेश की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे जयेश और कांतिलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। जयेश के सिर पर गंभीर चोटे आने पर उसकी मौके पर मौत हो गई। वही कांतिलाल गंभीर घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर जयेश के परिजन मौके पर पहुंचे तथा घायल कांतिलाल को निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचा गया। वही जयेश को डॉक्टरों जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर दोवडा पुलिस पहुंची तथा शव को जिला अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया। शुक्रवार सुबह मृतक जयेश के परिजन मोर्चरी पहुंच कर पुलिस को टक्कर मारने वाले बाइक सवार के खिलाफ रिपोर्ट दी। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर शव का पोर्टमार्टम करवाकर शव परिजनों सौंपा दिया। वही मामला दर्ज कर बाइक सवार की तलाश शुरू कर दी।

शिविर में 327 रोगियों का पंजीकरण

कपासन, (निसं)। विश्व एड्स दिवस पर दीक्षा क्रियेशन्स सोसायटी एवं तारा संस्थान, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन शिविर का आयोजन किया गया।महाविद्यालय प्रबन्ध निदेशक डॉ. वसीम खान एवं संस्था सचिव नीमा खान ने बताया कि यूके के शशि तलवार के सौजन्य से तारा संस्थान, उदयपुर के संस्थापक कल्पना गोयल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपेश मित्तल के मार्गदर्शन में आर.एन.टी. कॉलेज केम्पस कपासन में डॉ. मोहन प्रजापत व डॉ. पद्मा शर्मा के नेतृत्व में 6 सदस्यीय टीम ने नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन किया।महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. एस.एन.ए. जाफरी ने बताया कि शिविर में 327 रोगियों का पंजीकरण किया गया जिसमें से 25 लोगों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। ऑपरेशन के लिए चयनित रोगियों को श्री सचिन भाटिया आई हॉस्पीटल उदयपुर के अन्तर्गत तारा संस्था द्वारा निःशुल्क ऑपरेशन व अन्य सुविधाएं दी जाएगी। शेष रोगियों को आंखों के नम्बर निकालकर चश्मे व दवाईयां वितरित की गई।

गायों को चारा खिला जन्मदिन मनाया

मंडफिया, (निसं)। कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मंडफिया पहुंचकर भगवान सांवलिया सेठ के दर्शन कर गौशाला में गायों को चारा खिलाकर अपना जन्म दिवस मनाया। विधायक जीनगर के मंडफिया पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत कर जन्म दिवस की बधाई दी। इसी तरह भादसोड़ा कस्बे में स्थित श्री कृष्ण आदिनाथ गौशाला में भी विधायक जीनगर ने गायों को गुड व लापसी खिलाकर अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल वैष्णव, मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, भादसोड़ा भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सिंह चौहान, मंदिर मंडल के पूर्व सदस्य भेरूलाल सोनी, रमेश चंद्र वैष्णव, जीएसएस अध्यक्ष राजकुमार वैष्णव, राधे सुथार, रमेश चंद्र चंडालिया, अशोक अठावाल, रूपेश तूसावड़ा, विश्वास वैष्णव, सचिन वैष्णव, अशोक व्यास, सहित सैकडो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बदमाशों ने विद्यालय को बनाया निशाना

देवगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र के स्वादड़ी गांव में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के अंदर अज्ञात बदमाश चोरों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य कक्ष एवं कम्प्यूटर रूम के ताले तोड़कर एल ई डी टीवी, मॉनिटर, सी पी यू सहित अलमारी मे रखी नगदी सहित दस्तावेजों को खुर्द बुर्द कर इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लें जाने का मामला सामने आया हैं।सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी जानकर व्यक्ति द्वारा घटना को अंजाम देने का संदेह जताया जा रहा हैं। विस्तृत जानकारी के अनुसार विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रहलाद सिंह कच्छावा ने बताया की गुरुवार रात्रि को चोरी की घटना हुई जिस पर शुक्रवार प्रातः 9:30 बजे जब विद्यालय पहुँचे जहाँ पर पता चला कि विद्यालय के प्रधानाचार्य कक्ष,कक्षा 12 के कमरा नंबर 2 और पास ही स्थित कम्प्यूटर कक्ष के ताले टूटे हुए है चोरी की वारदात से विद्यालय के ऑनलाइन कार्य समस्त बाधित हो गए हैं। घटना की जानकारी तुरंत थाने पहुंचकर थानाधिकारी को दी गई ।सुचना पर देवगढ़ थाना से द्वितीय थाना अधिकारी प्रताप सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुँचे जहाँ प्रारंभिक जाँच करते हुए बताया की आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए परंतु अभी तक चोरों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा हैं।

तोड़फोड़ करने वाले दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने मौताणे की मांग को लेकर घर में आगजनी और तोडफोड करने के मामले में फरार चल रहे 2 आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। जब कि इस मामले में पुलिस ने दस आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ कर रही है। सदर थानाधिकारी ने बताया कि 7 अगस्त को खेमारू निवासी रामलाल पुत्र स्व. नाथूलाल कटारा ने प्रकरण दर्ज करवाया था कि उनके घर पर खेमारू फला भेमात निवासी हमलावरों ने मौताणे की मांग को लेकर हाथों में लट्ठ, पत्थर, धारदार हथियार, कुल्हाडी, जलती हुई मशाले लेकर हमला कर दिया था तथा घर को भी आग के हवाले कर दिया था और घर में तोडफोड कर काफी नुकसान पहुंचाया था। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में दस आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वही दो आरोपी मौके से फरार चल रहे थ। पुलिस ने फरार खेमारू फला भेमात निवासी राजू पुत्र पूंजा कटारा व दिता पुत्र सोमा डामोर को गिरफ्तार कर लिया है।

डॉ. लुहाड़िया अवार्ड से सम्मानित

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के चेस्ट एवं टीबी विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. एस. के. लुहाड़िया को टीबी एंड रेस्पिरेटरी मेडिसिन क्षेत्र में विशेष योगदान देने के लिए हैदराबाद में आयोजित देश की सबसे बड़ी राष्ट्रीय चेस्ट सम्मेलन नैपकॉन के उद्घाटन समारोह में नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रोफेसर एम.एम. सिंह मेमोरियल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवार्ड के लिए प्रति वर्ष नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा पूरे देश से एक टीबी एवं चेस्ट फिजिशियन को चयनित किया जाता है समारोह के मुख्य अतिथि आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक पद्म विभूषण गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर जी, विशिष्ट अतिथि नई दिल्ली एम्स के पूर्व डायरेक्टर पद्मश्री डॉ. रणदीप गुलेरिया, देश के जाने माने चेस्ट फिजिशियन पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित डॉ. फारुख उदवाडिया थे इस सम्मेलन में पूरे देश एवं विदेश से चेस्ट एवं टीबी विशेषज्ञ सम्मिलित होते है डॉ. लुहाडिया को इस प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित होने पर गीतांजली समूह के कार्यकारी निदेशक श्री अंकित अठावाल, गीतांजली हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ऋषि कपूर, डीन डॉ. संगीता गुप्ता आदि ने बधाई दी।

क्विज़ में मुल्तजम अमर प्रथम

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनस स्टडीस, पेसिफिक युनिवर्सिटी द्वारा 12वीं कॉमर्स के विद्यार्थियों के लिए कॉमर्स क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए एकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज, इकोनॉमिक्स और एंटरप्रेन्योरशिप से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता के लिए 12 स्कूलों से प्रविश्टियां प्राप्त हुई। क्विज प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई। प्रथम चरण में उदयपुर शहर के विभिन्न विद्यालयों से 50 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इन सभी से 50 प्रश्न पूछे गए जिनका सही और न्यूनतम समय में उत्तर देने वाले प्रथम 20 प्रतिभागियों का चयन फाइनल राउंड में हुआ । फाइनल राउंड में 30 प्रश्न पूछे गए जिनका उत्तर 20-20 सेकंड में देना था। विद्यार्थियों ने इस क्विज के लिए जमकर तैयारी की और उत्साह के साथ भाग लिया।क्विज में प्रथम स्थान पर सेंट पॉल स्कूल के मुल्तजम अमर, दूसरे स्थान पर एमडीएस सी. से. स्कूल के पलाश पोखरणा, तीसरे स्थान पर सेंट पॉल स्कूल के नयन चोरडिया तथा चौथे स्थान पर सेंट एंथोनी स्कूल के सारांश त्रिवेदी रहे। क्विज का संचालन डॉ. मोहम्मद आबिद, डॉ. दीपिका चपलोत और नीलिमा बजाज ने किया। उन्होंने क्विज के साथ ही विभिन्न प्रश्नों के उत्तरों की भी सैद्धांतिक व्याख्या की तथा विद्यार्थियों के संशय दूर किये।

मतगणना के दौरान व्यवस्थाएं रहें चाकचौबंद : पोसवाल

उदयपुर, (कासं)। विधानसभा आम चुनाव- 2023 के तहत रविवार को होने वाली मतगणना को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस बीच जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर अरविन्द पोसवाल और पुलिस अधीक्षक डॉ भुवनभूषण यादव ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय आर्टस् कॉलेज परिसर स्थित मतगणना स्थल का दौरा कर तैयारियों का ज़ायज़ा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पोसवाल और एसपी डॉ यादव शुक्रवार अपराह्न आर्टस् कॉलेज पहुंचे। यहां उन्होंने गणना स्थल पर कार्मिकों व चुनाव व गणन अभिकर्ताओं की प्रवेश व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने फोटो युक्त अधिकृत प्रवेश पत्र के बिना किसी भी व्यक्ति को गणना स्थल पर प्रवेश नहीं देने के निर्देशों की सख्ती से पालना की हिदायत दी। साथ ही परिसर के बाहर और अंदर की जा रही सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दोनों अधिकारियों ने पर्यवेक्षक की बैठक व्यवस्था, विधानसभा वार आरओ कक्ष एवं मतगणना कक्ष का भी निरीक्षण कर

उदयपुर में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मतगणना स्थल का दौरा कर तैयारियों का ज़ायज़ा लिया।

चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप सभी तरह के बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने गणना के दौरान स्ट्रांग रूम से क्रमानुसार कंट्रोल युनिट को संबंधित टेबल पर पहुंचाने की व्यवस्था की भी जानकारी ली। उन्होंने मीडिया सेल, एनआईसी सेल, जलपान व्यवस्था, सामान्य व्यवस्था प्रकोष्ठ आदि का भी निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने वहां मौजूद विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारियों सहित अन्य अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया का सबसे अंतिम और महत्वपूर्ण कार्य मतगणना है। इसमें किसी भी तरह की कौताही पूरे निर्वाचन को दूषित कर सकती है। इसलिए सभी अधिकारी पूर्ण गंभीरता से कार्य करते हुए मतगणना कार्य को को निर्विवादित रूप से समय पर संपादित करें। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेश सुराणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी का मामला

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने पीडित के साझेदार के खिलाफ चोरी छिपे विदेशो में प्रतिबंधित वस्तुए भेज कर सरकार व कंपनी के साथ धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित दीपक पुत्र मुरलीधर आचार्य निवासी शौभागपुरा ने आरोपी प्रतीक केवलानी पुत्र पुरूषोतम, जयेश केवलानी पुत्र पुरूषोतम पार्टनर माकफीश इंटरप्राईजेज प्रोपराईटर कार्ट फाउजर प्रतापनगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि मैं एवं आरोपी माकफीश कंपनी के पचास-पचास प्रतिशत के साझेदार है। 28 मार्च 2023 को आरोपियों ने अमेजोन डॉट कोम अमेरिका के लिए मुक्तावटी, तुलसी घनवटी, विको वठादंती सहित विभिन्न दवाओं को शिपिंग जरिये माल भेजा। पता चलने पर पड़ताल की तो आरोपियों ने अलग अलग नाम से कंपनीया बना रखी है । आरोपी देश के माल को चोरी छिपे भेज कर कंपनी, सरकार के साथ एवं देश के साथ धोखाधडी कर टेक्स चोरी करने की जानकारी सामने आई है। आरोपी कस्टम जरिये माल विदेश में भेजा जो प्रतिबंधित है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच एएसआई मोहनसिंह को सौंपी है।

पेसिफिक में दुर्लभ बीमारी की सफल सर्जरी

उदयपुर, (कासं)। अगर किसी बीमारी का सही मूल्यांकन हो जाए तो उसका उपचार भी तुरन्त और सटीक हो सकता है। ऐसे ही एक दुर्लभ बीमारी यूरिनरी ब्लेडर फियोक्रोमोसाइटोमा का पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के यूरोलॉजी विभाग के डॉ. हनुवन्त सिंह राठौड एवं उनकी टीम ने सटीक डाग्नोसिस एवं सफल ऑपरेशन कर 59 वर्षीय मरीज को नया जीवन दिया। सफल ऑपरेशन में ऑन्कोसर्जन डॉ.सौरभ शर्मा, डॉ.कोनार्क ठक्कर, निश्चेतना विभाग के डॉ. प्रकाश औदिच्य, डॉ. समीर गोयल एवं डॉ. विक्रम चन्द्रमोहन शर्मा एवं घनश्याम नागर का योगदान रहा।

दरअसल चित्तौड़गढ़ के कपासन क्षेत्र निवासी 65 वर्षीय एक महिला को पिछले सात आठ साल से पेशाब जाने के दौरान अचानक से ब्लड प्रेशर का बढ़ना,तेज सिरदर्द एवं पेशाब में जलन की समस्या थी। कई जगह दिखाया लेकिन सभी चिकित्सक मरीज के सिरदर्द और बी.पी. की समस्या को

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल में दुर्लभ बीमारी यूरिनरी ब्लेडर फियोक्रोमोसाइटोमा की सफल सर्जरी की गई।

लेकर जॉच कराते और उपचार करते लेकिन समस्या यू ही बनी रही और मरीज को कोई फायदा नहीं हुआ। मरीज के परिजन उसे पेसिफिक हॉस्पिटल भीलों का बेदला लेकर आए जहॉ यूरोलॉजिस्ट एवं रिकन्स्ट्रक्शनल सर्जन डॉ.हनुवन्त सिंह राठौड को दिखाया तो मरीज की मरीज की सीटी स्केन एवं एमआरआई जॉच कराई तो पेशाब की थैली मे गठान का पता चला। जो कि उसकी दीवार से चिपकी हुई है। जिसका की ऑपरेशन बहुत ही जोखिम भरा था।

शनि मंदिर में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन विलास सेक्टर 14 स्थित शनि मंदिर में 3 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान नवठाह स्थापना, महाप्रसादी के साथ शुक्रवार को संपन्न हुए । मंदिर के महंत नारायण गिरि ने बताया कि शुक्रवार को नवग्रह स्थापना एवं पूर्णाहुति, प्राणप्रतिष्ठा के साथ 3 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

महंत ने बताया की मेवाड ज्योतिष परिषद के पंडित प्रोफेसर राज आमेटा के आचार्यत्व में 9 पंडितो द्वारा नवठाह की स्थापना एवं महाआरती के साथ 3 दिवसीय अनुष्ठान कार्य संपन्न हुआ। उसके बाद मंदिर में आये सभी भक्तो, संतो ने महाप्रसादी ग्रहण की जो देर रात तक चालू रही तथा बाहर से आए हुए संत महात्माओं को विदाई दी गई, इस अवसर पर शहर के भक्तजनों की

उदयपुर के गोवर्धन विलास सेक्टर 14 स्थित शनि मंदिर में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए।

आवा जाही देर रात तक चलती रही। महंत नारायण गिरि ने बाहर से आए संतो एवं गनमान्य लोगों का धन्यवाद अर्पित किया।

छप्पन भोग धराया

राजसमन्द, (निसं)। जिले के कुंवारीया कस्बे के जागेटियों का मोहल्ला स्थित प्रभु श्री सत्यनारायण भगवान के मंदिर में शुक्रवार को छप्पन भोग मनोरथ का आयोजन किया गया। इस दौरान दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड उमड पडी। आयोजन के तहत अष्टधातु से निर्मित स्वर्ण मंडित लड्डू गोपाल की प्रतिमा को सत्यनारायण भगवान के मंदिर परिसर में सिंहासन पर विराजित कराया गया तथा उनके समक्ष विभिन्न प्रकार के व्यंजनों, मिठाइयों व खाद्य सामग्री का भोग धराया गया। छप्पन भोग झांकी के दर्शन के लिए काफी संख्या में श्रद्धालु गण मंदिर परिसर में पहुंच कर ठाकुरजी के जयकारे लगाए। आयोजन के तहत महिला कार्यकर्ताओं ने भावविभोर होकर हरि कीर्तन किया, जिससे वातावरण भक्तिमय बन गया। मंदिर के पुजारी ने विशेष पूजा अर्चना करके महाप्रसाद का वितरण किया।

विश्व एड्स दिवस पर गोष्ठी आयोजित

बांसवाड़ा, (निसं)। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से मधुबन कॉलोनी स्थित आईआरसीएस कार्यालय में विश्व एड्स दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। एड्स जागरूकता विषय पर आयोजित गोष्ठी में संस्था के चेयरमैन डॉ. मुनव्वर हुसैन ने बताया कि एड्स अभी लाइलाज महामारी है इसलिए बचाव ही उपचार है।

उन्होंने कहा कि सभी को इसके कारणों के प्रति जागरूक होना चाहिए और विशेषकर छात्रों को समाज में जनजागृति लानी चाहिए। संस्था सचिव डॉ. रजनीकांत मालोत ने बताया कि एड्स 80 के दशक में फैली एक महामारी है जो विषाणु जनित है। उन्होंने बताया कि एड्स जागरूकता और बचाव के लिए 1 दिसम्बर 1988 से प्रति वर्ष विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। भारत में 1992 में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। 1992 से ही नियंत्रण के कार्य किए जा रहे है। संयुक्त राष्ट्र की 2021 की एक रिपोर्ट में बताया गया कि विश्व में अभी 3.80 करोड एड्स संक्रमित है और भारत में भी 24 लाख मरीज है। संस्था के कोषाध्यक्ष प्राचार्य शैलेंद्र सराफ ने बताया कि आज जीवनशैली में बदलाव

बांसवाड़ा में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से विश्व एड्स दिवस पर एड्स जागरूकता विषयक गोष्ठी को डॉ. रजनीकांत मालोत ने संबोधित किया।

हो रहा है इसलिए सभी को अपनी प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर संस्थान के राहुल सराफ, भारत कंसारा, निलेश सेठ, अजगर भाई पत्थरवाला, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी शर्ली जॉय, प्रेरणा उपाध्याय, नीरज पाठक, अब्बास मद्रासी, कर्तव्य जोशी, अल्का लबाना, पुष्पा शर्मा, हिमांशु ताबियार, रुचिता चौधरी, सूरज राठौड आदि मौजूद रहे। भारतीय विद्या मंदिर शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस प्राचार्य डॉ विशाल उपाध्याय की अध्यक्षता में मनाया गया। उपाध्याय ने महामारी के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं, मानव शरीर पर पडने वाले उसके प्रभाव तथा निदान के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि सुसंस्कृत और संयमित जीवन शैली हमें इस बीमारी से दूर रख सकती है। संकाय सदस्य आदित्य काले ने संक्रमण के फैलने एचआईवी होने की स्थिति में मनुष्य शरीर पर होने वाले प्रभाव तथा वर्तमान में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के विषय में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। जागरूकता कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य एवं प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

सार-समाचार

युवक ने फंदा लगा की आत्महत्या

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के सेलज गांव में एक युवक ने अपने ससुराल में घर के पास एक पेड से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दिवाली से अपने ससुराल में रह रहा था। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वरदा थानाधिकारी ने बताया कि काहेला फला निवासी लक्ष्मण पुत्र देवजी ने रिपोर्ट में बताया कि मेरा भतीजा जीवतराम पुत्र दयाला ननोमा अहमदाबाद में मजदूरी का काम करता है। उसके साथ उसकी पत्नी और चार बच्चे साथ ही रहते है। दिवाली पर जीवतराम अपने परिवार के साथ सेजल गया था और दिवाली से ससुराल में ही था। गत रात्रि को जीवतराम ने ससुराल में खाना खाया था और वही सो गया। जब शुक्रवार को प्रातःपरिवार के लोग उठे तो देखा कि जीवतराम अपने खांट पर नहीं था। जब लोगों ने आस-पास तलाश करने पर घर के बाहर ही एक पेड से जीवतराम का शव लटका हुआ था। ससुराल पक्ष की सूचना पर जीवतराम के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गये और लटक रहे शव को पेड से नीचे उतारा। परिवार जनों ने घटना की जानकारी वरदा पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम करा शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना एवं अम्बामाता थाना क्षैत्र में सूने मकान का ताला तोड़ कर चोर जेवर व नकदी चुरा ले गए। अन्यत्र फलासिया थाना क्षैत्र में सूने मकान से चोर जेवर व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित राजेश कुमार पुत्र मोतीलाल निवासी पार्श्वनाथविला एकलिंगपुरा सविना ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि मेरी भाभी की मौत होने पर 28 नवंबर को परिवार सहित गांव गए थे। 30 नवंबर को पड़ोसियों ने मकान का ताला टूटा होने की सूचना दी। इस पर घर आकर देखा तो ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो सोने की चेन, अंगूठी, चांदी की पायल दो जोड़ी एवं 10 हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच सविना पुलिस थाने के हेडकांस्टेबल राजेन्द्र गुर्जर कर रहे है। इसी तरह शहर के अम्बामाता थाना क्षैत्र रामनिवास अम्बावाडी निवासी लक्ष्मण सिंह पुत्र रामसिंह के सूने मकान का अज्ञात चोर ताला तोड़ कर इलेक्ट्रोनिक सामान चुरा ले गए। 30 नवंबर को लक्ष्मणसिंह परिवार सहित शादी समारोह में गया था। पड़ोसियों ने मकान का ताला टूटा होने की सूचना दी थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच हेडकांस्टेबल लोकेश कर रहे है। वहीं जिले के फलासिया थाना क्षेत्र बिछीवाड़ा निवासी लक्ष्मी पत्नी शंकर लाल कलाल के सूने मकान का अज्ञात चोर ताला तोड़ कर सोने की चेन, चांदी की पायल, 10 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। लक्ष्मी के परिवार जन अहमदाबाद में व्यापार करते है। पांच छह माह से मकान सूना पड़ा था। दो दिन पूर्व गांव लौटने पर वारदात होने की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

नकदी हड़पी, मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पीडित से नकदी हडपने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित कलेवा पलायु झारखण्ड हॉल रूपसागर निवासी सदाकत अंसारी पुत्र सत्तार मियां ने झारखंड के सहीम नामक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि मैं कंस्ट्रक्शन का काम करता हूं। नवंबर माह में आरोपी मुझे मिला तथा झारखंड का होने का परिचय दिया तथा उसने निवेश करने पर धन दुगुना करने वाली कंपनी का डेमो बताया। इस पर मैने आरोपी को 5 लाख 50 हजार रूपये का भुगतान किया। निर्धारित समय पर आरोपी के मोबाईल पर संपर्क किया तो स्वीच बंद था। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। वहीं गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने पीडित अनिल पुत्र भूरालाल सियाल निवासी एच ब्लॉक सेक्टर 14 गोवर्धन विलास की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ गत दिनों मकान के बाहर खड़ी कार चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया।

महिला का पर्स छीन भागे बदमाश

उदयपुर, (कासं)। गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र के हाइवे पर बाइक सवार बदमाश राह चलती महिला के हाथ से नकदी से भरा पर्स छिन ले गए।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के गोवर्धन विलास काया हावड़े पर गुरूवार अपरान्ह में बाइक सवार तीन बदमाश राह चलते महिला वर्षा भैरवीया के हाथ से पर्स छिन ले गए। पर्स में4 हजार रूपये नकदी व 2 मोबाईल थे। इस मामले में हार्दीक भेरवीया पुत्र मुकेश जैन निवासी सेवानगर सेक्टर 4 ने गोवर्धन विलास पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि गुरूवार को संतों के कारवे के साथ मेरी मां वर्षा व मौसी निधी पैदल विहार कर शहर से ऋषभदेव की तरफ जा रहे थे। जहां बीच रास्ते बाइक सवार बदमाश वारदात कर फरार हो गए।

निपुण मेले का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार निपुण मेले का शुक्रवार को आयोजन हुआ। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार जैन, शिक्षा परिषद के राज्य स्तरीय सलाहकार डॉ बृजमोहन शर्मा द्वारा मेले का अवलोकन किया गया।एकीकृत प्रदेश मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया अधिकारियों के साथ राजकीय मास्टर किशन लाल शर्मा उमावि अंबामाता, राजकीय बालिका उमावि रेजीडेंसी उदयपुर राजकीय फतह उमावि आदि विद्यालयों का अवलोकन किया गया। प्रधानाचार्य रंजना मिश्रा द्वारा अतिथियों का स्वागत व विद्यार्थियों को उद्बोधन दिया गया।उदयपुर राजस्थान राज्य शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार उदयपुर में समस्त यूसीईईओ विद्यालय द्वारा आयोजित निपुण मेले में राजकीय फतह उमावि परिसर में भी जीवन शैली सामाजिक जीवन एवं मिले से संबंधित मोटे अनाज से संबंधित प्रदर्शनियां विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई। प्रदर्शनी का अवलोकन प्रधानाचार्य चेतन पानेरी, विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति सचिव प्राध्यापक गोपाल सिंह आसोलिया, परिषद की ओर से डॉ ब्रजमोहन शर्मा बृजबाला शर्मा, सोमना गोयल द्वारा किया गया।

कार्यशाला आयोजित

राजसमन्द, (निसं)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के बाद अब 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना से पहले जिला भाजपा द्वारा मतगणना एजेन्ट को प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। भाजपा जिला मीडिया सह संयोजक नर्बदाशंकर पालीवाल ने बताया कि इस कार्यशाला में जिले की चारों विधानसभा के एजेंटों को महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भंडारी ने अनुभव साझा करते हुए मतगणना के दौरान कोई परेशानी ना हो उन्हें प्रशिक्षण देते हुए कहा एजेंटो को मतपत्र, इलोक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन गणना एवं सम्बंधित प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया कि वे बिना किसी डर एवं दबाव में ना रहे। जिलाध्यक्ष मानसिंह बाहरठ ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि इस बार चुनाव आयोग के क्या नियम है मतगणना में बैठने वाले एजेंट को क्या करना है यह सारी चीज सीखने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। जिससे कि प्रत्याक्षी ओर एजेंट अपने कर्तव्यों को जान पाए और उसका ठीक प्रकार से निर्वहन कर सके विधि सलाहकार गोविंद कंसारा ने कहा कि यदि उन्हें मतगणना के दौरान कोई विसंगति नजर आये तो उसका कानूनी समाधान पाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को सूचित करें।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान सरकार के पत्र क्रमांक:- F-1(4) /SEIAA/SEAC-RAJ/Sectt/Project/cat.1 (a) B1 (23421) 2023-24 Jaipur Dated 17/11/2023 के द्वारा श्रीमती अंजू लखावत को निकट ग्राम उमठी, तह. व जिला राजसमंद स्थित खनन पट्टा रेफरेन्स संख्या - 2019100006024 वास्ते खनिज मार्बल क्षेत्रफल 2.5383 हैक्टेयर के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति जन साधारण के लिए उपलब्ध है एवं मण्डल की वेबसाईट http://environmentclearance.nic.in पर देखी जा सकती है। श्रीमती अंजू लखावत

राजस्थान सरकार

कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, राजसमंद खण्ड-प्रथम

खनिज भवन, आर.के.राजकीय चिकित्सालय के सामने, बाईपास रोड़, राजसमंद

दूरभाष व फैक्स-02952-220190, Email-me.rajsamand1@rajasthan.gov.in

क्रमांक:-खअ/राज-1/सीसी-2/एमआर/एमएल-277/1997/ दिनांक

आम सूचना नोटिस

निकट ग्राम थोरिया तहसील कुम्भलगढ़ जिला राजसमंद में खनिज मार्बल का खनन पट्टा संख्या 277/1997 श्री नियाज अहमद निवासी-जलचक्की कांकरोली तहसील एवं जिला-राजसमंद (राज.) के पक्ष में अवधि दिनांक 14.10.1988 से 50 वर्ष तक के लिये स्वीकृत है, चूंकि खनन पट्टाधारी श्री नियाज अहमद की मृत्यु दिनांक 19.09.2023 को हो जाने से उक्त खनन पट्टे का नामान्तरण श्री लियाकत हुसैन पुत्र स्वर्गीय श्री नियाज अहमद निवासी-जलचक्की कांकरोली तहसील एवं जिला-राजसमंद (राज.) के पक्ष में नामान्तरण के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति/परेशानी हो तो 15 दिवस में ऊपर अंकित पते पर लिखित में आपत्ति दर्ज करावें।

आज्ञा से, खनि अभियन्ता,
राजसमन्द खण्ड प्रथम

मारवाड़ में एक बार फिर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, ठंड ने तेवर दिखाने शुरू किये

नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पश्चिमी राजस्थान में सर्दी का असर बढ़ जाएगा

उदयपुर में रहा सबसे ठंडा दिन, बादल व धुंध बरकरार

दोनों तापमान में केवल साढ़े तीन डिग्री का अंतर रहा

उदयपुर में बादल छाए रहने से तालाब किनारे धुंध दोपहर में भी देखी गई।

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में दिसम्बर लगने के साथ ही ठंड ने तेवर दिखाने शुरू कर दिया है। शुक्रवार को दिनभर आसमान में छाए बादलों व हवाएं चलने से दिन में कड़क ठंड का अहसास होने लगा और दिन में लोग ऊनी वस्त्रों को पहने नजर आए। वहीं दिन के तापमान में एक ही दिन में चार डिग्री से अधिक की कमी होने के साथ ही यह सीजन का सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड किया गया।

झीलों के शहर में सर्दी अब परवान पर है। कोहरे की धुंध चौथे दिन भी नहीं छंटी। हालांकि आज धुंध का असर कम दिखाई दिया लेकिन बादल छाए रहने से तालाब किनारे व खेत खलिहानों में धुंध दोपहर में भी देखी गई। शहर की फतहसागर झील के बीच स्थिति नेहरू गार्डन तो दोपहर दो बजे भी धुंध में धुंधला सा दिखाई दिया। इधर, शहर के तापमान की बात करें तो शुक्रवार का दिन इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। इससे पहले गत सोमवार को 20.4 डिग्री तापमान रहा था। आज शहर का अधिकतम तापमान 19.8 डिग्री व न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

- हवाएं चलने से बढ़ी सर्दी, दिन का पारा चार डिग्री से अधिक गिरा

गुरूवार को तापमान क्रमश: 24 डिग्री व 14 डिग्री पर था। लेकसिटी में बादलों के बीच मौसम में बनी नमी के चलते दोनों ही तापमान में केवल साढ़े तीन डिग्री का अंतर ही रह गया है। दिन के तापमान में गिरावट के बाद अब रात का तापमान में भी कमी होगी और यह आगामी सप्ताह में 6 से 7 डिग्री के करीब पहुंचने की संभावना है। इधर, धुंध से कम हुई विजिबलिटी के चलते हवाई व रेल मार्ग भी प्रभावित रहा। ट्रेनें जहां समय पर नहीं पहुंची वहीं शहर की फ्लाईट्स की उड़ानों में दिक्कत हुई। जिसके चलते उन्हें निरस्त भी करना पड़ा।

सर्दी का असर तेज होने के आसार, ठंडी हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

जोधपुर, (कासं)। मारवाड़ में एक बार फिर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इससे मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पश्चिमी राजस्थान में सर्दी का असर बढ़ जाएगा। हालांकि जोधपुर संभाग में बारिश की संभावना नहीं है।

वहीं जोधपुर सहित मारवाड़ के विभिन्न अस्पतालों में अब मौसम संबंधी मरीजों की संख्या में भी इजाफा होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से तीन व चार दिसंबर को आसमान पर काले बादल छाए रहेंगे। मौसम में बदलाव होते ही बारिश होगी। इससे राज्य में कहीं-कहीं घना कोहरा व न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री गिरावट होने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि तीन दिसंबर के बाद सर्दी और रंगत में आएगी। तीन दिसंबर से तापमान में और गिरावट होगी। पारा तीन से चार डिग्री तक गिरेगा।

इधर आज मारवाड़ में तापमान में उतार चढ़ाव के बीच सर्द मौसम बना रहा। हालांकि दिन में कोहरे का असर कम होने से धूप खिली। शुक्रवार को जोधपुर शहर में अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री दर्ज किया गया। वातावरण में ठंडक घुले होने से तेज सर्दी का अहसास हो रहा था। सर्दी से बचाव के लिए लोग गर्म कपड़ों में नजर आए। जिले के ग्रामीण हिस्सों में सर्दी का असर अधिक देखने को मिला।

डॉक्टर विकास राजपुरोहित ने बताया कि इस मौसम में सर्दी से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, मगर घबराने की जरूरत नहीं है। अमूमन सर्दी के मौसम में सर्दी, खांसी जुकाम के साथ उल्टी दस्त के रोगी बढ़ जाते है। हमें इसके लिए अपने खानपान पर ध्यान देना होगा जिससे इम्युनिटी पावर बढ़े और रोग प्रतिरोध क्षमता में बढ़ोत्तरी हो।

उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा समस्या का समस्या का सामना करना पड़ता है, हमें उनकी सेहत का खासतौर पर ध्यान रखना चाहिए। चीन में फैले वायरस का असर यहां पर नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने मॉक ड्रिल कर स्वास्थ्य संबंधी सभी तैयारियां कर रखी है। इस मौसम में घबराने की जरूरत नहीं है।

सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

डूंगरपुर, (निसं)। पिछले तीन दिनो से बादलों और सूरज के बीच चल रही लुकाछिपी के तहत शुक्रवार को तो सूर्य देव के दर्शन ही नहीं हुए। ओर अल सुबह से ही मावठ के बीच सर्द हवाओ का तेज रफ्तार से चलना आम जन के लिए मुसिबत का कारण बन गया है। ओर मावठ के कारण मौसम पूरी तरह से ठण्ड के आगोश में समा गया है।

दिसम्बर की दस्तक के साथ ही शुक्रवार को भौर से शुरू हुई सर्द हवाओं ने यकायक ठिठूरन बढा दी। जिसके चलते शुक्रवार दिन भर सर्द हवाओं का दौर चलता रहा। तथा दिन में भी ऊनी वस्त्रों का प्रयोग करना पडा। तो वहीं दूसरी ओर आज ऊनी वस्त्रों की खरीददारी करते हुए आम जन को देखा गया। दिन भर की सर्द हवाओं के बाद शाम ढलते ढलते सर्दी ने अपने तेवर तीखे कर दिये। जिसके चलते सडके विरान होने लग गई तथा बाजार भी 7 बजे तक बंद हो गये।

श्रीमाधोपुर में घना कोहरा छाने से लोग परेशान

श्रीमाधोपुर में कोहरा छाया रहने से वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। करीब 3 दिन से कोहरा पड़ने से ठंड बढ़ी है, वहीं शहर सहित ग्रामीण आंचल में शुक्रवार सुबह 10 बजे तक घना कोहरा छाया रहा। वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ दूरी पर पर भी कुछ भी दिखाई नहीं दिया। शुक्रवार सुबह 8:30 बजे मौसम अचानक बदल गया। इससे सुबह दृश्यता काफी कम रही।

शेखावाटी में दूसरे दिन भी कोहरा छाया, बाजार देर से खुले

चूरू/बीदासर, (कासं)। शेखावाटी में शुक्रवार को दूसरे दिन भी सवेरे साढ़े नौ बजे तक कोहरा छाया रहा। साथ ही यहां सर्दी भी रही। इस कारण से सबसे अधिक परेशानी वाहन चालकों को हुई। शुक्रवार को यहां कोहरे के कारण बाजार भी देर से खुले।

हालांकि यहां पारे में बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में आज न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। पिछले दिवस की तुलना में आज यहां न्यूनतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। इसी प्रकार अधिकतम तापमान भी 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।

यहां पारे में हुई इस बढ़ोतरी का सर्दी के तेवरों पर कोई असर नहीं हुआ है। आगामी सप्ताह में सर्दी के तेवर और तीखे होने वाले हैं। इधर, धुंध से कम हुई विजिबलिटी के चलते हवाई व रेल मार्ग भी प्रभावित रहा। ट्रेनें जहां समय पर नहीं पहुंची। दिसम्बर की दस्तक के साथ ही शुक्रवार को भौर से शुरू हुई सर्द हवाओं ने यकायक ठिठूरन बढा दी। जिसके चलते शुक्रवार दिन भर सर्द हवाओं का दौर चलता रहा।

शेखावाटी में शुक्रवार को सवेरे साढ़े नौ बजे तक कोहरा छाया रहा।

कोहरे के कारण से सबसे अधिक परेशानी वाहन चालकों को हुई।

बीदासर कस्बे में शुक्रवार को दूसरे दिन घना कोहरा छाया रहा। देर रात्रि को छाया कोहरा प्रात: 11 बजे तक छाये कोहरे ने कस्बे को अपनी आगोश में ले लिया। कोहरे के चलते वाहन भी रेंगते हुये चले। तथा कोहरे के चलते पुरे दिन सर्दी का असर रहा।

- चूरू में न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ
- आगामी सप्ताह में सर्दी के तेवर और तीखे होने वाले हैं

प्रात: घने कोहरे के चलते सर्दी बढ़ जाने से लोगो ने सर्दी से बचाव के लिये अलाव का सहारा लेते हुये नजर आये।

गहरे कोहरे के चलते दुर तक कुछ दिखाई नही दिया। कोहरे के चलते सुर्य देवता के दर्शन भी 11.30 बजे के बाद हल्की धुप निकलने के बाद हुये। सर्द हवाओ का तेज रफ्तार से चलना आम जन के लिए मुसिबत का कारण बन गया है। ओर कोहरे के कारण मौसम पूरी तरह से ठण्ड के आगोश में समा गया है।

कार से 1 क्विंटल 25 किलो डोडा पोस्त बरामद

हनुमानगढ़, (निसं)। पीलीबंगा थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक क्रेटा कार से 1 क्विंटल 25 किलो डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने मौके से जोधपुर जिले के तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच गोलूवाला पुलिस को सौंपी है।

गोलूवाला पुलिस थाना प्रभारी एसआई अजय गिरधर ने बताया कि पीलीबंगा थाना प्रभारी विक्रम चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम गुरुवार रात को गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने पीलीबंगा से रावतसर रोड पर रोही पंडितांवाली स्थित जेएम ईंट भट्टा के पास एक क्रेटा कार को रुकवाया। तलाशी को दौरान कार की डिग्गी में रखे प्लास्टिक के कट्टों में 1 क्विंटल 25 किलो डोडा पोस्त भरा हुआ था। पुलिस ने पोस्त बरामद कर कार ड्राइवर लादूराम मुंडेल (34) पुत्र पूनाराम जाट निवासी वार्ड 15, गंगाणी तहसील बावड़ी पीएस करवड़ जिला जोधपुर को गिरफ्तार कर लिया। पोस्त की तस्करी में इस्तेमाल कार जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्पाइसजेट की पहली फ्लाइट यात्रियों को लेकर दिल्ली से जैसलमेर पहुंची

जैसलमेर, (नि.सं.)। रियासतकाल में जैसलमेर पहुंचने के लिए यह कहावत प्रचलित थी "घोड़ा कीजे काठ का, पिण्ड (पग) कीजे पाषाण। बख्तर कीजे लोह का, तब पहुंचे जैसाण," परन्तु अब हवाई सेवाओं ने उस कहावत को गलत साबित कर दिया है शुक्रवार से दिल्ली से जैसलमेर के लिए स्पाइसजेट की सेवा शुरु होने से अब इंडिगो और स्पाइसजेट दोनो के प्रतिदिन हवाई जहाज आने शुरु हो गए। अब वीवीआईपी इंसान 12 बजे जैसलमेर पहुंचकर घंटेभर का जरूरी से जरूरी काम कर 2.55 बजे वापिस जाने वाले इंडिगो के विमान में बैठकर 4.05 दिल्ली पहुंच सकता है। यह हवाई सेवा जैसलमेर को पूरे विश्व से जोड़ने वाली साबित होगी।

जैसलमेर-दिल्ली-जैसलमेर के लिए शुक्रवार को स्पाइस जेट ने अपनी हवाई सेवा शुरू की। स्पाइस जेट की 144 सीटर फ्लाइट ने आज जैसलमेर एयरपोर्ट पर लैंड किया। दिल्ली से आई फ्लाइट में 133 पैसेंजर जैसलमेर आए वहीं जैसलमेर से दिल्ली लौटी फ्लाइट में 53 पैसेंजर दिल्ली गए। जैसलमेर एयरपोर्ट के निदेशक प्रमोद मीना ने बताया कि जैसलमेर-दिल्ली के स्पाइसजेट ने शुक्रवार, 1 दिसंबर से हवाई सेवा शुरू की है। दिल्ली-जैसलमेर-दिल्ली के लिए स्पाइसजेट की 144 सीटर फ्लाइट डायरेक्ट फ्लाइट है। ये सीधी हवाई सेवा हफ्ते के सातों दिन रन करेगी। इससे आसाम से जैसलमेरआने वाले सैलानियों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। दरअसल इंडिगो की भी दिल्ली-जैसलमेर-दिल्ली की रेगुलर फ्लाइट लगातार जारी है। इसके साथ ही 1 दिसंबर से स्पाइस जेट द्वारा भी अपनी हवाई सेवा शुरू करने से जैसलमेर को दिल्ली के लिए 2 फ्लाइट का फायदा मिलेगा।

- दिल्ली-जैसलमेर-दिल्ली के लिए स्पाइसजेट की 144 सीटर फ्लाइट डायरेक्ट फ्लाइट है

स्पाइस जेट की पहली रेगुलर फ्लाइट शुक्रवार सुबह 10.20 बजे दिल्ली से जैसलमेर के लिए टेक ऑफ करके करीब 1 घंटा 40 मिनट के सफर के बाद दोपहर 12 बजे जैसलमेर एयरपोर्ट पर लैंड की। इस दौरान दिल्ली से आए पैसेंजर का स्पाइस जेट के स्टाफ द्वारा जैसलमेर के एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। पहली फ्लाइट में दिल्ली से 133 पैसेंजर जैसलमेर आए। यही फ्लाइट शुक्रवार दोपहर 12.40 बजे जैसलमेर से उड़ान भरकर दोपहर 2.20 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची। जैसलमेर में पहले से चल रही दिल्ली-जैसलमेर-दिल्ली की इंडिगो फ्लाइट का समय दोपहर 12.35 बजे दिल्ली से रवाना होकर 2.20 बजे जैसलमेर पहुंचना है और वापस दोपहर 2.55 बजे टेक ऑफ कर दोपहर बाद 4.05 बजे दिल्ली लैंड करना है। स्पाइस जेट की फ्लाइट का समय करीब 2 घंटे पहले का है। जैसलमेर में दिल्ली के लिए एक साथ दो फ्लाइट मिल जाने से पर्यटन बिजनेस से जुड़े लोग भी काफी खुश है। सबका मानना है कि पर्यटन सीजन में दिल्ली-जैसलमेर के लिए दो फ्लाइट मिलने से सैलानियों का जमघट जैसलमेर में लगेगा और सीजन में अच्छा बिजनेस आएगा।

ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरे

बीकानेर, (निसं)। देर रात करीब आठ बजे के आसपास लालगढ़ स्टेशन के पास अचानक तेज आवाज आते ही हर कोई इधर-उधर पता करने में जुट गया। लोग रेलवे ट्रैक की तरफ आने शुरू हो गए। पता चला कि एक ट्रेन की बोगियां पटरी से उतर गई हैं। दरअसल, लालगढ़ रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेल फाटक के पास लालगढ़-जैसलमेर ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए थे। हादसे के समय ट्रेन पूरी खाली थी। ट्रेन सुबह रवाना होनी थी। रेल अधिकारियों के अनुसार इसके डिब्बे जरूरत के हिसाब से ट्रेन में उपयोग होने थे। ट्रेन वाशिंग लाइन से यार्ड की तरफ जा रही थी, जब हादसे का शिकार हुई। सूचना मिलते ही पूरा रेल प्रशासन मौके पर पहुंचा और ट्रेन को वापस पटरी पर लाने के प्रयास में जुट गया। लगभग 100 से अधिक कार्मिक इस काम लगे रहे। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार, एडीआरएम रूपेश कुमार, सीनियर डीसीएम महेश चंद जेवलिया सहित रेलवे के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। डीआरएम आशीष कुमार के अनुसार, ये खाली डिब्बे थे। जिनका उपयोग जरूरत के अनुसार किसी भी ट्रेन में किया जाता है।

निलंबित रेंजर पर एक और मामला दर्ज

सहायक महिला वनपाल ने लगाए गंभीर आरोप

हनुमानगढ़, (निसं)। वन विभाग में ही कार्यरत महिला सहायक वनपाल ने अश्लील हरकतें करने और अपने साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने का आरोप लगाया है। हनुमानगढ़ के रावतसर में निलंबित क्षेत्रीय वन अधिकारी रणवीर मील के खिलाफ जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश पर वन विभाग में ही कार्यरत महिला सहायक वनपाल ने अश्लील हरकतें करने और अपने साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने का आरोप लगाया है। महिला ने रावतसर पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है। क्षेत्रीय वन अधिकारी के खिलाफ 20 नवंबर को एक अन्य महिला ने रेप के आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया था। जिस पर वन विभाग के प्रधान मुख्य संरक्षक ने क्षेत्रीय वन अधिकारी रणवीर मिल को निलंबित कर दिया था।

मामले में महिला वन विभाग कर्मचारी ने बताया है कि 2015 में रेंजर रणवीर मिल की रावतसर में पद स्थापना के साथ ही मेरे ऊपर बुरी नजर रखने लगा। इसी दौरान 11 अगस्त 2015 को रेंजर ने मुझे कार्यालय बुलाया, लेकिन रेंजर खुद कार्यालय में ना होकर कार्यालय के पास स्थित सरकारी निवास पर थे। जब रेंजर कार्यालय में नहीं मिले तो मुझे कार्यालय में इंतजार के दौरान कालूराम ने कहा कि रेंजर आपके घर पर बुला रहे हैं। जब मैं नहीं गई तो कालूराम ने कहा कि रेंजर नाराज हो रहे हैं। डर के मारे में रेंजर के आवास पर गई तो रेंजर अश्लील हरकतें करने लगा और महिला के विरोध करने पर आरोपी धमकी देने लगा। जिसके बाद महिला ने घर जाकर पति को इस बारे में बताया।

- शारीरिक संबंध बनाने के दबाब का आरोप लगाया

इस मामले में मैंने डिवीजन में मौखिक रूप से शिकायत की, तब डीएफओ ने कहा कि हमारे विभाग की बदनामी होगी। मैं एक-दो दिन में जाकर मामला सुलझा दूंगा। जिसके बाद रेंजर रणवीर मिलने आया और मेरे और मेरे पति से गलती मानकर माफी मांग ली। रेंजर ने तीन-चार महीने बाद पुरानी रंजिश रखते हुए मुझे परेशान करने लगा। मामले में महिला कर्मचारियों ने बताया कि जो महिलाकर्मी रेंजर की अवैध मांग पूरी करती है। उनका पदस्थापन अपने पास रखता है और उन्हें आर्थिक लाभ पहुंचता है। रेंज की सभी साइडों से हरी लकड़ी कटवाकर अवैध वसूली करता है। महिला ने कहा कि अन्य महिला ने निभय होकर रेंजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसी से मेरा मनोबल बढ़ गया और मैं भी रिपोर्ट दर्ज करवाना चाहती हूं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पुलिस उपअधीक्षक महेंद्र कुमार मेघवंशी को सौंप दी है।

मुनेश गुर्जर को राहत, निलंबन आदेश को हाईकोर्ट ने किया रद्द

कोर्ट ने 22 सितंबर को पुनः निलंबित करने के आदेश को अवैध माना

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को गत 22 सितंबर को पुनः निलंबित करने के आदेश को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में की गई प्रारंभिक जांच को भी निरस्त करते हुए एक माह में पुनः जांच करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश मुनेश गुर्जर की याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने मामले में दोनों पक्षों की बहस सुनकर गत 28 नवंबर को याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि मुनेश गुर्जर के पूर्व के निलंबन आदेश के खिलाफ दायर याचिका में सरकार की ओर से नियुक्त ओआईसी को ही इस मामले में प्रारंभिक जांच अधिकारी बनाया गया। उनकी ओर से दी गई जांच

अदालत ने मामले में की गई प्रारंभिक जांच को भी निरस्त करते हुए एक माह में पुनः जांच करने को कहा है

रिपोर्ट सद्भावनापूर्वक प्रतीत नही होती है। क्योंकि उन्होंने मुनेश की ओर से दस्तावेज प्राप्त करने की अर्जी को भी उनका लिखित जवाब मानकर जांच रिपोर्ट दी गई। न्याय के नैसर्गिक सिद्धांत के अनुसार जांच अधिकारी निष्पक्ष होना चाहिए। मामले में जांच अधिकारी की ओर से की गई जांच भेदभावपूर्ण प्रतीत होती है। अत: ऐसी जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई कार्रवाई अनुचित है। इसलिए उसे निरस्त किया जाता है।

याचिका में अधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का निलंबन नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। उसके खिलाफ जिन तथ्यों पर जांच हुई हैं, वे एफआईआर से ही साबित नहीं हो पाए थे। इसके अलावा मामले में जांच अधिकारी नियुक्त करने का आदेश डीएलबी निदेशक ने निकाला, जबकि ऐसा आदेश राज्यपाल के निर्देशों के तहत ही जारी हो सकता है। वहीं रूल्स ऑफ बिजनेस के तहत मेयर से संबंधित किसी भी कार्रवाई का मुख्यमंत्री से अनुमोदन जरूरी है, जबकि इस मामले में निलंबन व जांच की कार्रवाई स्वायत्त शासन मंत्री के आदेश पर की गई। मामले की डीएलबी निदेशक और उप निदेशक ने अलग-अलग नोटिस जारी कर जांच कार्रवाई आरंभ की। जबकि एक ही मामले में दो जांच अधिकारी एक साथ जांच नहीं कर सकते। वहीं उप निदेशक की ओर से दी गई जांच रिपोर्ट भेदभावपूर्ण व दुर्भावनापूर्ण है, क्योंकि याचिकाकर्ता को पूर्व में निलंबन करने के खिलाफ हाईकोर्ट में पेश याचिका में उप निदेशक ही ओआईसी के तौर पर विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता को जांच के बाद निलंबित किया गया है। वहीं रूल्स ऑफ बिजनेस बाध्यकारी नहीं है। गौरतलब है कि मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर की ओर से नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में एसीबी की कार्रवाई के बाद राज्य सरकार ने मुनेश को निलंबित किया था। इस निलंबन आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने निलंबन आदेश वापस ले लिया था। वहीं बाद में राज्य सरकार ने जांच के बाद मुनेश गुर्जर को 22 सितंबर को पुनः निलंबित कर दिया था। इस आदेश को भी अब हाइकोर्ट ने रद्द कर दिया है।

'कांग्रेस ने हॉर्स ट्रेडिंग के लिए बेंगलुरू में रिज़ॉर्ट बुक करवाए'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम को लेकर एग्जिट पोल सामने आ गए हैं। हालांकि ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा को जीता हुआ बताया गया है, लेकिन उसके साथ कुछ एग्जिट पोल में कांग्रेस को भी जीत के आंकड़े के पास में बताया है। राज्यसभा सांसद और सवाई माधोपुर से भाजपा प्रत्याशी किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस ने हॉर्स ट्रेडिंग के लिए बेंगलुरु में रिजॉर्ट बुक करवा लिए हैं।

मीणा ने दावा किया कि एग्जिट पोल भले कुछ भी आए हों, लेकिन भाजपा 135 सीटों से ज्यादा के ऐतिहासिक बहुमत के साथ जीतकर आ रही है। मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पहले भी जनता के पैसों को पानी की तरह बहाया है। विधायकों को पहले भी अलग-अलग होटल में बाड़ाबंदी करके रखा और लाखों-करोड़ों रुपए उनके ऊपर खर्च किए। यह सब वह पैसे हैं, जो जनता की गाढ़ी कमाई के थे, जिन्हें मुख्यमंत्री गहलोत ने अपनी सरकार बचाने के लिए खर्च किए। मुझे करीबी लोगों से जानकारी मिली है कि निर्दलीय और कांग्रेस विधायकों को राजस्थान से बाहर भेजने की तैयारी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर रहे हैं।

माँ त्रिपुरा सुंदरी का आशीर्वाद लिया सतीश पूनिया ने

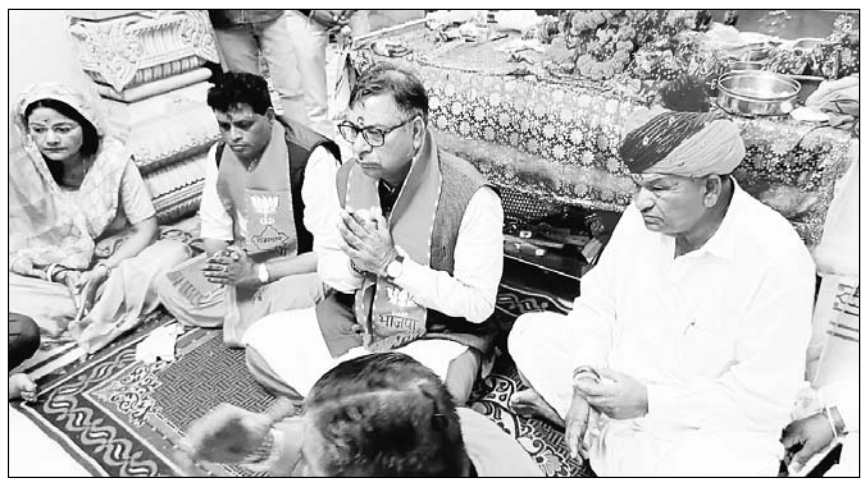

राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बांसवाड़ा में माँ सुंदरी के दर्शन एवं पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता साथ रहे। माँ त्रिपुरा सुंदरी से सतीश पूनिया ने प्रदेश, प्रदेशवासियों और देशवासियों की खुशहाली और उन्नति की कामना की है। पूनिया ने कहा कि, जनता के आशीर्वाद और माँ त्रिपुरा सुंदरी के आशीर्वाद से राजस्थान में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनेगी, जो राजस्थान की खुशहाली और उन्नति के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि, 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, इस बात के लिए भी राजस्थान और पूरे देश की जनता मन बन चुकी है।

राष्ट्र विकास के लिए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण की शिक्षा जरूरी : मिश्र

जयपुर (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राष्ट्र विकास के लिए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण की शिक्षा सभी स्तरों पर जरूरी है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान सांस्कृतिक सरोकार रखते हुए मानव मूल्यों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर अपने यहां शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने देश में स्थापित वायुसेना विद्यालयों की स्थापना के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि इनमें भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़ी शिक्षा को अधिकाधिक बढ ावा दिया जाए।

मिश्र शुक्रवार को झालाना स्थित राजस्थान इन्टरनेशनल सेंटर में वायु सेना विद्यालय के 41 वें वार्षिकोत्सव में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश पर जब भी दुश्मन सेनाओं ने आक्रमण किया है, वायुसेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने एयरफोर्स स्कूल में पढ ने वाले बच्चों को वायुसेना की गौरवमयी परम्परा की संस्कृति से जुडने और जीवन में निरंतर आगे बढ ते हुए ज्ञान की भारतीय परम्परा से प्रेरणा लेने का आव्हान किया।

राज्यपाल ने अनुशासन, अच्छी प्रबंध व्यवस्था, समय की मांग के अनुसार शिक्षण सुविधाओं के विस्तार के लिए जयपुर स्थित वायु सेना स्कूल की सराहना भी की। इससे पहले उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान की उद्देशिका का वाचन कराते हुए मूल कर्तव्य पढ़ कर सुनाए। उन्होंने प्रतिभावान विद्यार्थियों को इस अवसर पर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष ठ्गप कैप्टन विनय भारद्वाज, विद्यालय प्राचार्या सीमा भाटी ने आयोजन के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के विद्यार्थियों ने इस मौके पर राजस्थान के गौरव से जुडी गाथाओं पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।

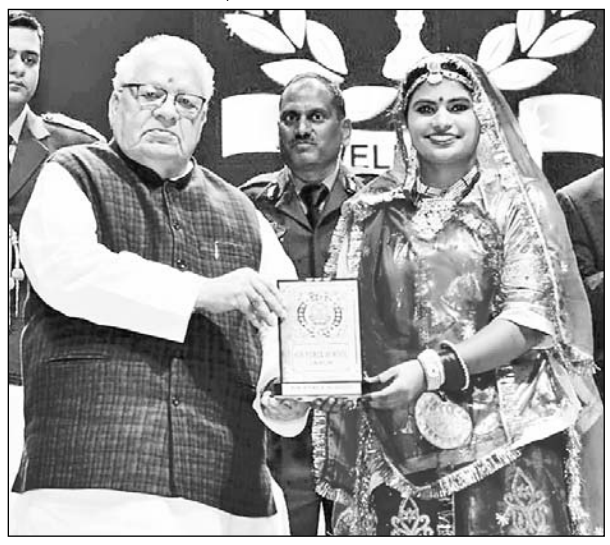

वायुसेना विद्यालय के 41 वें वार्षिकोत्सव में राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

'मंदिर वहीं बन गया और तिथि भी आ गई'

जयपुर। विश्व हिंदू परिषद् की प्रांत समीक्षा बैठक जयपुर स्थित भारत माता मंदिर में संपन्न हुई जिसमें संत हरिशंकर दास ने कहा कि अब तो मंदिर जन्मस्थली पर ही बन गया है और श्री राम की मूर्ति प्रतिष्ठा की तिथि भी घोषित हो गई है। इसका श्रेय भारतीय जनता को देते हुए उन्होंने बताया कि अपने ही देश में हमको इस दिन के लिए बहुत लंबा संघर्ष करना पड़ा है, अनेक बलिदान देने पड़े हैं और अथक परिश्रम करना पड़ा है। विश्व हिंदू परिषद् के प्रांत अध्यक्ष प्यारेलाल मीणा ने बताया कि विहिप का वार्षिक धर्मरक्षा निधि संग्रह 15 से 31 दिसम्बर तक चलाया जाएगा। विहीप प्रांत मंत्री अशोक डीडवानीया ने बताया कि 22 जनवरी को भारत के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा होगी एवं देश के सभी प्रांतों के कार्यकर्ताओं के लिए पृथक-पृथक दिनों में दर्शनों की व्यवस्था रहेगी।

क्या मुख्यमंत्री गहलोत अति उत्साह में हैं?

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में मतदान होने के बाद तथा एग्जिट पोल सामने आने के बाद कांग्रेस उत्साहित है। खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी इसी उत्साह में 2013 की तरह ही अब रिएक्ट कर रहे हैं और यही कारण है कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर कई कांग्रेस उम्मीदवारों से मुलाकात की और उनसे परिणाम को लेकर फीडबैक लिया।

राजस्थान में क्या परिणाम आएंगे, यह तो 3 दिसंबर को पता चलेगा, लेकिन कांग्रेस के नेता लगातार यह कह रहे हैं कि यह जो बढ़ा हुआ मतदान है, उनके लिए फायदेमंद है और कांग्रेस इस बार रिवाज बदलते हुए फिर से सरकार बनाने वाली है। हालांकि राजनीतिक प्रेक्षक इस बात को मानने को तैयार नहीं है। भले ही अधिकांश एग्जिट पोल कांग्रेस को केट की टक्कर में मान रहे हो

यही कारण है कि न सिर्फ वे सरकार बनाने का बयान दे रहे हैं, बल्कि हारने वाले उम्मीदवारों के साथ भी फोटोशूट करा रहे हैं

लेकिन राजस्थान के पत्रकार और राजनीतिक प्रेक्षक इस एग्जिट पोल को मानने को बिल्कुल भी तैयार नहीं है।

दूसरी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को जयपुर में मुख्यमंत्री निवास पर आए कई विधानसभा प्रत्याशियों के साथ में मुलाकात की और उनसे उनके विधानसभा क्षेत्र का फीडबैक लिया। अधिकांश उम्मीदवारों ने अपनी जीत की उम्मीद जताई और यही कारण है कि कांग्रेस के नेता इसी उम्मीद में कई तरह के बयान दे रहे हैं।

वैसे आपको बताते चलें कि 2013 विधानसभा चुनाव के बाद में ना तो कहीं चर्चाओं में और ना ही कहीं एग्जिट पोल में कांग्रेस की सरकार बनती नजर आ रही थी। इसके बावजूद राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ चंद्रभान ने कांग्रेस प्रत्याशियों से फीडबैक का कार्यक्रम रख लिया और उसके लिए तत्कालीन प्रभारी महासचिव गुरूदास कामत को भी मुंबई से जयपुर बुलाया गया था। उसके बाद फीडबैक लिया गया, तो जयपुर आए कांग्रेस के 181 उम्मीदवारों ने यही फीडबैक दिया था कि वे चुनाव जीत रहे हैं, लेकिन जब 2013 के चुनाव नतीजे आए तो भाजपा जहां बंपर बहुमत लेते हुए 163 के आंकड़े पर पहुंच गई।

वहीं कांग्रेस अपने न्यूनतम खराब प्रदर्शन के जरिए मात्र 21 सीटों पर सिमट कर रह गई। उस दौरान कहा जा रहा है कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इतनी उम्मीद थी कि वह फिर से सरकार बनाएंगे।

इसके लिए उन्होंने बाकायदा चार्टर विमान और हेलीकॉप्टरों की व्यवस्था कर ली थी, लेकिन वह सब परिणाम के बाद में कोई काम नहीं आई।

अभी भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस के नेता अति उत्साह में नजर आ रहे हैं। इसी उत्साह में न सिर्फ उम्मीदवारों से फीडबैक लिया जा रहा है, बल्कि राजस्थान सहित अन्य राज्यों जहां की कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां रिजॉर्ट बुक करने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। हालांकि राजनीतिक प्रेक्षकों का कहना है कि राजस्थान में चाहे कुछ भी एग्जिट पोल आए हो, लेकिन राजस्थान में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ में सरकार बनाने की स्थिति में आएगी और कांग्रेस बहुमत से काफी दूर रुक जाएगी।

प्रदेश में 700 करोड़ रुपए की जब्ती का आंकड़ा पार

जयपुर (का.सं.)। विधानसभा आम चुनाव- 2023 के मद्देनजर निर्वाचन विभाग के निर्देश पर प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 703 करोड रुपए मूल्य की अवैध नकदी और अवैध सामठी जब्त की गई है। प्रदेश में गत विधानसभा आम चुनाव में पूरी आचार संहिता के दौरान की गई जब्ती के मुकाबले अब तक दस गुना बढ ोतरी हो चुकी है। विधानसभा चुनाव- 2018 के दौरान आदर्श आचार संहिता की अवधि में प्रदेश में कुल 70.8 करोड रुपए मूल्य की जब्ती की गई थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के 14 जिलों में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से अब तक 20 करोड रुपए से अधिक की जब्ती की गई है। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार राजस्थान में अवैध नकदी, शराब और अन्य वस्तुओं का प्रवाह रोकने के लिए आदर्श आचार संहिता के दौरान चलाए गए अभियान में अब तक राजस्थान पुलिस 443.80 करोड रुपए मूल्य की जब्ती कर चुकी है। आयकर विभाग ने 72.50 करोड रुपए मूल्य की नकदी और सामठी जब्त की है, जबकि राज्य आबकारी विभाग एवं राज्य जीएसटी विभाग द्वारा क्रमश: 18.65 करोड रुपए एवं 117.13 करोड रुपए मूल्य की जब्ती की गई है। गुप्ता ने बताया कि जयपुर 110 करोड 47 लाख रुपए के सीजर के साथ प्रदेश में सबसे आगे है। यहां 19 करोड 17 लाख रुपए की अवैध नकदी, 16 करोड 83 लाख रुपए मूल्य का सोना-चांदी एवं अन्य बहुमूल्य धातुएं, 71 करोड 11 लाख रुपए की अन्य वस्तुएं, एक करोड 77 लाख रुपए की ड्रग्स और एक करोड 57 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की गई है।

विश्व एड्स दिवस पर शॉर्ट फिल्म "जिद्दी" की स्क्रीनिंग

जयपुर। अरावली मोशंस सोसायटी व मनसंचार समूह की ओर से शुक्रवार को मानसरोवर स्थित अनुकम्पा परिसर के कलाकार फैक्ट्री स्टूडियो में शॉर्ट फिल्म "जिद्दी" की स्क्रीनिंग आयोजित की गई। ये फिल्म एड्स की रोकथाम पर आधारित है। जिसके माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। दरअसल, यह फिल्म इस वर्ष के वर्ल्ड एड्स डे की थीम लैट कम्यूनिटीज लीड को आधार रखकर बनाई गई है। इस थीम को चुनने का उद्देश्य भी यही है कि समाज एड्स के प्रति जागरूक बनें। साथ ही इसे बनाने का एक अन्य उद्देश्य उन लोगों की भी सराहना करना है जिन्होंने किसी भी रूप में एड्स के बचाव में सहयोग प्रदान किया है।

पी.एच.क्यू. में डॉ. समित शर्मा ने अपनी पुस्तक का प्रस्तुतिकरण दिया

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने ई-गवर्नेंस का उपयोग करके पुलिस द्वारा आमजन को लाभ पहुंचाने के लिए अपनाए जा सकने वाले तरीकों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया।

महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने कहा कि पुलिस द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। डॉ. समित शर्मा ने अपनी पुस्तक सामाजिक क्षेत्र में डिजिटल क्रांति के युग की शुरुआत पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में ई-गवर्नेंस३ा का उपयोग करके आमजन को लाभ पहुंचाने के लिए अपनाए गए तरीकों के बारे में बताया गया है।

डॉ. समित शर्मा ने बताया कि हम डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन के युग में प्रवेश कर चुके हैं और इस डिजिटल इकोसिस्टम से पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक को लाभान्वित किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस रिकॉग्निशन टेक्निक, मेटा डेटा बेस्ड ऑटो अप्रूवल, चैट बॉट, डीप डेटा एनालिसिस, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स आदि की अत्यधिक उपयोगिता हैं। इस अवसर पर डीजीपी कानून व्यवस्था राजीव शर्मा, एडीजी ट्रेनिंग मालिनी अग्रवाल, आईजी शरत कविराज व प्रफुल्ल कुमार सहित 50 वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने डॉ.समित शर्मा को गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

एक मंच पर जुटेंगे मारवाड़ी बिजनेस मित्र

मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन की स्टार्टअप फंडिंग के लिए कार्यशाला

मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन की ओर से प्रदेश के स्टार्टअप में अधिक से अधिक फंडिंग बढ़ाने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई।

ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, नीदरलैंड, स्पेन, दुबई, ब्रिटेन, अमेरिका समेत कई देशों के प्रवासियों ने राजस्थान में स्टार्टअप्स में निवेश की इच्छा जताई

जयपुर (कासं)। मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के संस्थापक महासचिव सचिव सीए विजय गर्ग ने बताया कि, मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के द्वारा राजस्थान के स्टार्टअप में अधिक से अधिक फंडिंग आए इसके लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में स्टार्टअप कमेटी के पदाधिकारी के अलावा वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के विदेश में मारवाड़ी बिजनेस मित्र एवं देश के विभिन्न राजस्थान उद्योग मित्रों ने भी भाग लिया एवं राजस्थान के स्टार्टअप में फंडिंग के लिए अपनी विशेष रुचि दिखाई।

कार्यशाला के दौरान मारवाड़ी बिजनेस मित्र जो कि आस्ट्रेलिया, कनाडा ,जर्मनी ,नीदरलैंड ,दुबई, स्पेन ,यूके एवं अमेरिका से जुड़े हुए प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थान में कृषि से संबंधित स्टार्टअप एवं आईटी से संबंधित स्टार्टअप में अपनी निवेश की इच्छा जाहिर की । इस अवसर पर स्टार्टअप कमेटी के सदस्यों ने प्रेजेंटेशन दिया , इस प्रेजेंटेशन के दौरान यह बताया गया कि जिन स्टार्टअप्स को फंडिंग चाहिए उनको फंडिंग की आवश्यकता के लिए वित्तीय विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी रूप से जांच कर उसे प्रेजेंटेशन एवं उसे व्यक्ति आवश्यकताओं को प्रवासी राजस्थानियों के सामने रखा जाएगा एवं संस्था के द्वारा प्रवासी राजस्थानियों को निवेश से संबंधित जो भी आवश्यक सूचनाओं चाहिए वह भी इन तकनीकी विशेषज्ञ के द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी और संस्था ब्रिज के रूप में काम कर प्रवासी राजस्थानियों एवं स्टार्टअप के बीच में एक संवाद स्थापित कर उन सभी वित्तीय तकनीकी जरूरत पर अपनी निशुल्क राय उपलब्ध कराएगी।

ट्रिपल मर्डर के आरोपी की तलाश

जयपुर। मालवीय नगर के झालाना स्थित खटीकों के मोहल्ले में हुए ट्रिपल मर्डर के मामले में पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस टीमें उसकी जयपुर के अलावा एमपी और गुजरात में भी तलाश कर रही हैं। पुलिस ने बताया कि पुलिस के अलावा स्पेशल टीमें आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस की आधा दर्जन से अधिक टीमें गुजरात और मध्यप्रदेश उसकी तलाश कर रहीं है। उधर आरोपी शिव प्रताप तोमर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर गुरुवार देर शाम करीब 7 बजे अपने अकाउंट से एक स्टोरी अपलोड की। जिसमें आरोपी शिव प्रताप ने जयपुर पुलिस को चुनौती देते हुए लिखा था कि हम बदला लेना जानते हैं। आरोपी शिव प्रताप तोमर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हॉरर मूवी के एक कैरेक्टर की फोटो की खंजर के साथ बनाकर डीपी लगा रखी है। यह फोटो साल 1993 में रिलीज हुई 'खिलौना बना खलनायक' फिल्म की जैसी दिख रही है। आरोपी ने खुद के सोशल मीडिया अकाउंट पर जो फोटो साथ स्टोरी अपलोड की हैं। ये फोटो किसी हेयर सैलून के बाहर की है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण किया

जयपुर (का.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव-2023 के लिए आगामी 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के लिये की जा रही तैयारियों का आकस्मिक निरीक्षण किया और जिला निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान कॉलेज एवं कॉमर्स कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। गुप्ता ने यहां ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता को मतगणना की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में अवगत कराया।

गुप्ता ने यहां जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना हेतु की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं को भी देखा। मतगणना टेबलों, मतगणना कार्य में संलग्न कार्मिकों की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। गुप्ता ने मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी के लिये बनायी गई व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने मतगणना तिथि को मतगणना कार्य में लगे अधिकारियों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में लगे सभी कर्मचारियों को भी पास जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव-2023 के लिए 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के लिये की जा रही तैयारियों का आकस्मिक निरीक्षण कर जिला निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये।

राजस्थान में इस बार थर्डजेंडर ने दिखाई ताकत

जयपुर। राजस्थान में हुए इस बार के चुनाव में थर्डजेंडर्स ने बड़ा खेल किया है। इस बार प्रदेश की करीब 50 विधान सभा सीटों पर 348 ने मतदान किया है। राजस्थान की कई विधान सभा सीटों पर लगभग थर्डजेंडर मतदाता नहीं हैं लेकिन इसके साथ ही थर्डजेंडर ने पहली बार 50 विधान सभा सीटों पर जमकर मतदान किया है। एक तरफ जहां 199 सीटों पर कुल 74.62 प्रतिशत मतदान हुआ है। उसमें इन थर्डजेंडर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इस वोटिंग में महिलाओं ने 74.71 प्रतिशत मतदान किया है। मगर, पुरुषों की वोटिंग प्रतिशत 74.53 रहा है। वहीं, 348 थर्ड जेंडर ने भी वोट डाले हैं। प्रदेश की 200 सीटों में से 153 सीटों पर कुल 614 थर्डजेंडर हैं, इस प्रकार से 56. 67 प्रतिशत थर्डजेंडर ने वोट दिया है। जयपुर में इसके लिए चुनाव आयोग ने कई कार्यक्रम भी किये हैं। उसका असर यहां पर दिखा भी है। इसके बड़े संकेत आ रहे है। इन सीटों पर मतदान किया उनमे सूरतगढ, भादरा, सादुलपुर, तारानगर, चुरू, रतनगढ, सुजानगढ़, किशनपोल, सरदारपुरा 219 आमेर, झोटवाडा, फुलेरा, शाहपुरा, नीमकाथाना, धोद, महुआ, बांदीकुई, अलवर शहर 18 बसेडी, बयाना, डींग कुम्हेर, नगर, बानसूर, जैतारण, मेडता, डीडवाना, जोधपुर लाडनूं, केकडी, मसूदा, नसीराबाद, अजमेर दक्षिण, किशनगढ, देवली सिविल लाइंस 15 उनियारा, बामनवास, भीनमाल, चौहटन, बाडमेर, ओसियां, लोहावट, अजमेर उत्तर 15 सुमेरपुर, भीम, कपासन, धरियावद, सलूंबर, मनोहर थाना, बारां अटरू, उत्तर कोटा 13 किशनगंज, बूंदी, केशवरायपाटन, शाहपुरा, सहाडा, मांडल विधानसभा रायसिंह नगर 12 सीटों पर सभी थर्ड जेंडर ने वोट दिया है। इन सीटों जोरदार तरीके से वोटिंग हुई है।

इन सीटों पर कम मतदान हुआ जिनमे डूंगरपुर, घाटोल, गढ्ढी, जालौर, सूरसागर, भीलवाड़ा बिलाडा, सिवाना, जालौर, सिरोही, नावां टोडाभीम, राजाखेडा, पाली लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्रों में वोट करने नहीं गए। इन सीटों पर कम प्रतिशत मतदान हुआ है। इसे बहुत बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। जयपुर में कई थर्डजेंडर ने इसके लिए अभियान भी चलाया है। जिसका असर भी इन चुनावों में प्रभाव भी दिखा है।

राहगीरों को लूटने वाला गिरोह पकड़ा

जयपुर । शिप्रा पथ थाना पुलिस ने राहगीरों से लूटपाट करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने के आदि है और सभी के खिलाफ पर्स-चेन और मोबाइल लूट के वारदातों के कई मामले दर्ज है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर योगेश गोयल ने बताया कि शिप्रा पथ थाना पुलिस ने राहगीरों से लूटपाट करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए गिरोह के दिनेश विश्वास निवासी मानसरोवर,तनय जांगिड निवासी मानसरोवर और अभिषेक जैन निवासी मानसरोवर को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लूट की वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया गया है।

बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को कुचला

बाइक सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के पीपलवाड़ा राठौद रोड पर एक अवैध खनन व परिवहन कर रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को कुचल दिया जिससे बाइक सवार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

मौत के बाद ग्रामीण व परिजनों ने मुख्य मार्ग पर शव रखकर कांटे लगाकर सड़क मार्ग जाम कर दिया। सूचना पाकर बौंली सीओ मीना मीणा मलारना डूंगर सर्किल इंस्पेक्टर लखन खटणा मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे व ग्रामीणों व परिजनों को समझने का प्रयास किया। सड़क मार्ग जाम होने के कारण दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई एवं विद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को भी पैदल अपने गांव की ओर जाना पड़ा।

- युवक की मौत के बाद ग्रामीण व परिजनों ने सड़क मार्ग जाम कर दिया

जाम लगाने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार जटावती निवासी अमर सिंह बैरवा उम्र 18 वर्ष अपने गांव से राठौद झोपड़ियां अपने किसी रिश्तेदार परिजन से दोपहर करीब 3 बजे मिलने जा रहा था इसी दौरान राठौद बनास नदी की ओर से अवैध बजरी खनन एवं परिवहन करने वाली बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्राली आई और बाइक सवार को कुचलती हुई निकल गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि मृतक का सर बिल्कुल रोड पर चिपक गया देर शाम तक तक मृतक का शव रोड पर पड़ा था एवं अन्य पुलिस अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारियों का मौके पर पहुंचना जारी था।

जमीन विवाद को लेकर किया हमला, तीन भाई सहित महिला घायल

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के देवल चौकी के अंतर्गत पालवाडा बिलिया फला गांव में 8 से 10 लोगों ने जमीन विवाद को लेकर अपने परिवार के चार लोगों पर पत्थरों और लठ्ठों से हमला कर दिया। हमले में तीन भाई सहित एक महिला घायल हो गई। घायलों को जिला अस्पताल भर्ती कराया जहां उनका इलाज जारी है।

- घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है

जानकारी अनुसार देवल चौकी पालवाडा फला बिलिया गांव निवासी ईश्वरलाल अहारी बाजार से राशन की सामग्री लेकर घर लौट रहा था। जैसे ही ईश्वरलाल पुत्र हुरमा अहारी घर से कुछ ही दूरी पर पहुंचा। इस दौरान झांड़ियों की आड में छिपकर बैठे 8 से 10 लोगों ने ईश्वरलाल पर लठ्ठ और पत्थरों से हमला कर दिया। ईश्वरलाल की चिलाने की आवास सुनकर ईश्वरलाल के भाई दो अन्य भाई ताराचंद और दिनेश तथा दिनेश की पत्नी जशोदा तीनों जने बीच बचाव करने के लिए आए तो हमलावरों ने तीनों पर लठ्ठ और पत्थरों से हमला कर गंभीर घायल कर हमलावार मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर मौके पर घायलों अन्य सदस्य और आसपास के लोगों ने चारों निजी वाहन में डालकर जिला अस्पताल में पहुंचाया गया। हमले में ईश्वरलाल के सिर, हाथ पैर चोंटे आई। वहीं दिनेश,जशोदा और ताराचंद को गंभीर चोंटे आई। घायलों का डूंगरपुर जिला अस्पताल में इलाज जारी है। घायल ताराचंद अहारी ने उनका जमीन को लेकर रिश्तेदारों में विवाद चल रहा था। जिसकी रंजिश को लेकर शुक्रवार को उनके परिवार पर लठ्ठ और पत्थरों से हमला किया गया है।

एटीएम बदलकर चालीस हजार रूपए निकाले

सुजानगढ़, (निसं)। सदर थाने में भानीसरिया तेज गांव के एक ग्रामीण ने एटीएम बदलकर खाते से रूपए निकालने का मामला दर्ज कराया है। बजरंग सिंह पुत्र लाल सिंह ने रिपोर्ट देकर बताया कि गत 22 नवम्बर को उसने तिरूपति बालाजी मंदिर के पास स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम से पैसे निकालने आया।

पैसा निकालने में परेशानी हुई। जिसके बाद एक व्यक्ति आया जिसने मेरा एटीएम बदलकर मुझे दूसरा एटीएम दे दिया। जिसके दस मिनट बाद खाते से चालीस हजार रूपए निकलने के तीन मैसेज आए। पीड़ित ने खाता बंद करवाकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चालीस हजार रूपए निकालने का मामला दर्ज कराया है।

सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर दो गुटों में पत्थरबाजी

दौसा, (निसं)। सैंथल थाना क्षेत्र के खरताला गांव में एक सरकारी जमीन पर अधिकार जताने के मामले को लेकर दो गुटों के बीच जमकर पथराव हुआ। मामूली बात से बढ़े इस विवाद में दो पक्षों में पत्थरबाजी के साथ जमकर झगड़ा व मारपीट हो गई। आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए इस पत्थरबाजी आदि में दोनों पक्षों की 4 महिला सहित करीब 5 लोग घायल हो गए।

- चार महिला सहित पांच घायल

विवाद के बाद इसमें घायल लोगों को उपचार के लिए जिला अस्पताल व सैंथल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं इस घटनाक्रम को लेकर एक पक्ष ने मारपीट व पथराव करने का मामला दर्ज कराया है जबकि दूसरे पक्ष ने जिला अस्पताल चौकी पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी गई है।

जिला अस्पताल पहुंचे एक पक्ष के युवक मुकेश ने बताया कि दूसरे पक्ष के कई युवकों व महिलाओं ने उसकी भाभी व पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट की गई जिसमें उन्हें गंभीर चोट आई हैं। सूचना देने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। पुलिस ने बताया कि खरताला गांव में सरकारी जमीन पर कब्जे की बात को लेकर बीती देर शाम दो परिवारों में आपसी कहासुनी हुई। जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव व मारपीट हुई, जिसमें एक पक्ष के जयनारायण, सुमन व शिमला देवी को चोट आई है, जबकि दूसरे पक्ष के भी दो लोग चोटिल हुए हैं। जिनका अस्पताल में इलाज व मेडिकल कराया गया।

वहीं पूरे मामले को लेकर सैंथल थाना प्रभारी घासीलाल मीना ने बताया कि सरकारी जमीन पर डेरा जमाने की बात को लेकर दो पक्षों में आपसी पथराव की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस जाप्ते ने मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था कायम कर घटनाक्रम की जानकारी ली व पीड़ितों का मेडिकल कराया है। जिला अस्पताल में भर्ती दूसरे पक्ष की रिपोर्ट मिलने पर मामला दर्ज कर विधि संगत कार्रवाई की जाएगी।

बी.एस.एफ. के स्थापना दिवस पर जवानों को शुभकामनाएं दी

बाड़मेर, (निसं)। सीमा सुरक्षा बल के 59 वें स्थापना दिवस पर बाड़मेर सेक्टर उप महानिरीक्षक पी.एस. भट्टी ने अधिकारियों एवं जवानों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान केक काटकर बीएसएफ का स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए उप महानिरीक्षक पी.एस.भट्टी ने कहा कि जीवन पर्यन्त कर्तव्य के संकल्प के साथ बीएसएफ ने सरहद की हिफाजत के साथ आतंरिक सुरक्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव तथा राहत कार्यों में सराहनीय भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ हर मोर्चे पर डयूटी के तत्पर रहती है। उन्होंने स्थापना दिवस पर अधिकारियों एवं जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में मुस्तैद बीएसएफ के जवानों का योगदान अतुलनीय है। इससे पहले उप महानिरीक्षक पी.एस.भट्टी,जोधपुर मिष्ठान भंडार के कमल सिंहल एवं लीफ आर्टिस्ट खेतेश गोयल ने बीएसएफ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में केक काटा। इस दौरान लीफ आर्टिस्ट खेतेश गोयल ने उप महानिरीक्षक पी.एस.भट्टी को पीपल के पते पर उकेरी गई सीमा सुरक्षा बल के लोगो वाली तस्वीर भेंट की। उप महानिरीक्षक भट्टी ने स्थापना दिवस पर जवानों की हौंसला अफजाई के लिए कमल सिंहल एवं उत्कृष्ट आर्ट के लिए खेतेश गोयल का आभार जताया। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के विभिन्न अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सीमा सुरक्षा बल की स्थापना 1 दिसंबर 1965 को हुई थी। पूरे देश में 59 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

बाड़मेर में बीएसएफ के स्थापना दिवस पर केक काटा।

नोहर में लाखों की चोरी

नोहर, (निसं)। कस्बे में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। चोरों के हौसले इस कदर बुलंद है कि वे आए दिन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ताज़ा मामला यहां अरडकी बस स्टैंड का है। अज्ञात स्टोर एक मावा भंडार की दुकान से दो लाख की चोरी कर ले गए। मकान मालिक सुबह दुकान पहुंच तो उसे घटना की जानकारी मिली। अज्ञात चोर यहां अरडकी बस स्टैंड के समीप सहु मावा भंडार की दुकान का ताला तोड़कर दुकान के गले में रखें दो लाख नगदी चोरी कर ले गए। दुकान मालिक जब सुबह दुकान पहुंच तो दुकान के ताले टूटे हुए थे उसने गला संभाला तो उसके अंदर से दो गायब थे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज खगाले मगर उसे कोई सफलता नहीं मिली। विदित रहेगी कस्बे में चोरी की घटनाएं निरंतर हो रही है। पुलिस आज तक किसी भी घटना का खुलासा नहीं कर पाई है।

कट्टों के नीचे दबने से श्रमिक की दर्दनाक मौत

दूदू, (निसं)। मौजमाबाद पंचायत समिति क्षेत्र के गिदानी गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर संचालित एक फैक्ट्री में शुक्रवार तड़के करीब पांच बजे फैक्ट्री में कार्य करने के दौरान ग्रिड का कट्टा खिसकर 27 वर्षीय मजदूर रामेश्वर जोगी निवासी गुढ़ा सहायपुरा (खुडियाला) पर गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रामेश्वर करीब चार साल से इसी फैक्ट्री में काम कर रहा था। फैक्ट्री में करीब 12 क्विटंल वजनी ग्रिड के प्लास्टिक कट्टे स्टोर में पड़े थे। जिनमें से एक कट्टा मृतक पर अचानक आ गिरा और कट्टे के नीचे दब जाने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर मौजमाबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दूदू स्थित मोर्चरी में रखवाया तथा पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। सूचना मिलने पर दूदू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दशरथ सिंह भी घटना स्थल पर पहुंचे तथा मौका मुआयना किया। मौजमाबाद थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूचना पर दूदू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दशरथ सिंह घटना स्थल पर पहुंचे तथा मौका मुआयना किया।

जैसलमेर में शीतलहर बढ़ने के साथ ही पर्यटन सीजन का आगाज़

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में शीतलहर बढ़ने के साथ ही पर्यटन सीजन का आगाज हो गया है। जैसलमेर में देश विदेश से सैलानी घूमने के लिए पहुंचने शुरू हो गए हैं।

हालांकि जैसलमेर पहुंचने के लिए अब हवाई सेवा भी शुरू हो गई है। लेकिन पर्यटन सीजन के साथ ही फ्लाइट में यात्रा करने के लिए दुगुना से चौगुना तक किराया भी बढ़ गया है। वहीं सहज व सुलभ मानी जाने वाली रेल सेवा के लिए भी वेटिंग लिस्ट लंबी बढ़ गई है। गौरतलब है कि करीब दस साल पहले 2013 में रेलवे द्वारा जैसलमेर आने वाले सैलानियों की भीड़ को देखते हुए क्रिसमस व न्यू ईयर पर स्पेशल ट्रेन संचालित की गई थी। जिससे जैसलमेर में पर्यटकों का बूम भी बढ़ा था। इसके साथ ही रेलवे को भी राजस्व प्राप्त हुआ था। लेकिन उसके बाद से क्रिसमस व नए साल को लेकर रेलवे द्वारा कोई स्पेशल ट्रेन का संचालन नहीं किया जाता है। जिससे वेटिंग लिस्ट क्लियर नहीं होने से सैलानियों को भी मायूस होना पड़ता है। रेलवे द्वारा इस बार भी क्रिसमस व नए साल को लेकर स्पेशल ट्रेन चलाई जाए तो जैसलमेर आने वाले सैलानियों को सुलभता तो होगी ही वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

जैसलमेर से लंबी दूरी की ट्रेन भी ज्यादा नहीं है। अगर बात की जाए तो जैसलमेर से साबरमती ,दिल्ली, जयपुर, काठगोदाम के लिए ही रोजाना एक ट्रेन है। इसके साथ ही बांद्रा के लिए साप्ताहिक ट्रेन का संचालन होता है जो

- दस साल बाद फिर स्पेशल ट्रेन को संचालित करने की जरूरत

जैसलमेर आने वाले सैलानियों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त नहीं है। जैसलमेर के लिए नई ट्रेन संचालित करने के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। लेकिन रेलवे प्रशासन इस मांग की तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। जैसलमेर आने के लिए किसी भी ट्रेन में कंफर्म रिजर्वेशन नहीं मिल रहा है। फ्लाइट के रेट्स भी बहुत ज्यादा मंहगे हो गए है। जिससे हमने पहले न्यू ईयर पर जैसलमेर आने का प्लान बनाया था लेकिन ट्रेन में वेटिंग व फ्लाइट मंहगी होने से हम पहले ही यहां पहुंच गए है। जैसलमेर के लिए इस पर्यटन सीजन में स्पेशल रेलों का संचालन होना चाहिए।

प्रथमेस सैलानी ने बताया कि अगर रेलवे द्वारा प्रयास करते हुए इस साल जैसलमेर के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाता है तो सैलानियों को फायदा होने के साथ ही रेलवे को भी राजस्व प्राप्त होगा। वहीं जैसलमेर के पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। जैसलमेर में आगामी तीन महीने सैलानियों की जबरदस्त आवक रहती है। इसके साथ ही यहीं तीन महीने है जिससे पर्यटन व्यवसायी पूरे साल का खर्चा भी निकाल लेते है। जिससे जैसलमेर के अधिकांश परिवार सिर्फ इस पर्यटन सीजन पर ही निर्भर है। जैसलमेर रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे का सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला स्टेशन है। लेकिन इसके बावजूद रेलवे अधिकारियों द्वारा जैसलमेर के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है। जोधपुर से आए दिन कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। लेकिन जैसलमेर में हर साल सीजन में 7-8 लाख सैलानी आने के बावजूद रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेन का संचालन नहीं किया जा रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशिकिरण ने बताया कि अभी ऐसा कुछ भी प्रपोजल नहीं है। पर्यटन सीजन को देखते हुए अगर उच्चाधिकारियों से कोई निर्देश मिलते है। तो निश्चित तौर पर स्पेशल रेल का संचालन किया जाएगा। लेकिन फिलहाल रेलवे का ऐसा कोई प्लान नहीं है।

फॉलोअर्स बढ़ाने की सनक, युवकों ने कारों के शीशे तोड़े

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में गुरुवार आधी रात कुछ युवकों पर रील बनाने की सनक दिखाई दी। लाठी-डंडों और बेसबॉल बैट से लैस करीब 8 लड़कों ने घरों के बाहर खड़ी कारों के शीशे तोड़ दिए। इससे इलाके में दहशत हो गई।

- सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए ये युवक सड़कों पर उत्पात मचाते हैं

जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए ये युवक आधी रात सड़कों पर उत्पात मचाते हैं। मामला शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र के नया बास सर्किल क्षेत्र में गुरुवार रात 12 बजे का है। सुबह जब लोगों ने अपने घरों के बाहर खड़ी कारों के शीशे टूटे हुए देखे तो हैरान रह गए। इसके बाद आस-पास सीसीटीवी खंगाले गए, जिनमें 8 लड़के हाथों में लाठी-डंडे और बेसबॉल बैट लिए दिखे। सीसीटीवी में युवक शीशे फोड़ते नजर आ रहे हैं। बदमाशों के परिजन अब समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में अभी तक थाने में मामला दर्ज नहीं हुआ है।

अरावली विहार थाना इलाके के पीड़ित लोगों ने जब सीसीटीवी खंगाले तो युवकों में इन्हीं के मोहल्ले से सचिन नाम का युवक भी दिखाई दिया। पुलिस ने जब सचिन से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह कार तोड़ने वालों में शामिल नहीं था। लेकिन गुरुवार देर रात उसके दोस्त चिराग, चिंटू, वीरेंद्र, नीतेश व अन्य उसके यहां आए थे।

इसके बाद उसे बोला कि गली के बाहर चलते हैं। उनके हाथ में लाठी और बेसबॉल का डंडा भी था। इसके बाद वे गली के बाहर रुके, इनमें से एक ने वीडियो बनाना शुरू किया। इसके बाद इन लोगों ने एक के बाद एक 6 कारों के शीशे तोड़ दिए। सचिन ने बताया- सभी लड़के शराब के नशे में थे और तोड़-फोड़ की रील बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करने वाले थे। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए वे ऐसा करने वाले थे।

कृषि कार्य करते किसान की मौत

टोंक, (निसं)। मेहंदवास थाना क्षेत्र के सूर्याबास गांव में खेत पर गए किसान की कृषि कार्य करते समय आकस्मिक मौत हो गई। पुलिस को सूचना दी, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे सआदत अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोपहर को उसका पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मेहंदवास थाना प्रभारी नियाज मोहम्मद ने बताया कि सूर्याबास गांव निवासी सीताराम (46) पुत्र लखमाराम बैरवा सुबह जल्दी खेत पर फसल की सिंचाई लिए गया था। इसी दौरान सुबह करीब साढ़े नौ बजे आसपास से गुजर रहे किसानों को वह पड़ा दिखाई दिया। बाद में उसके पास जाकर देखा तो वह अचेत अवस्था में था। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी। बाद में पुलिस मौके पर गई और उसे सआदत अस्पताल ले आई। जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कारीगर सोना लेकर फरार

सुजानगढ़, (निसं)। शहर के एक स्वर्णकार की दुकान से बंगाली कारीगर 167 ग्राम सोना लेकर फरार हो गया। पीड़ित व्यापारी कृष्ण कुमार पुत्र हंसराज सोनी ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसके दुकान रामपुरिया कॉटेज के पीछे उसकी दुकान है। जहां पर कारीगर सुरोजूद्दीन को 8 साल से कार्य कर रहे नाशीर बंगाली के मार्फत मेरी दुकान पर स्वर्णाभूषण बनाने रखा था। जिसे गुरूवार को 167 ग्राम सोना हथफूल बनाने के लिए सौंपा था। सोना सौंप कर में मेरे घर नाश्ता करने चला गया था। नाश्ता करके जब सुबह साढे दस बजे वापस दुकान लौटा तो सुरोजूदीन नहीं मिला। जिस पर रोहित बंगाली से पूछने पर उसने बताया कि वह शौच करने गया है। सुरोजूदीन दो बार फोन करने पर भी नहीं लौटा व फोन स्वीच ऑफ कर लिया। पीड़ित कृष्ण सोनी ने अपने कारीगर पर सोना लेकर फरार होने का संदेह जताया है।

नवलगढ़ सीट : जनता ने बनाया रोचक मुकाबला

नवलगढ़/झुंझुनूं, (निसं)। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 25 नवम्बर को मतदान करने के साथ ही जनता-जनार्दन अपने फैसले की समीक्षा करने में व्यस्त हैं। झुंझुनू जिले की नवलगढ़ विधानसभा को लेकर हर बार की तरह ही चुनाव को लेकर रोचक चर्चाओं का बाजार गर्म है। हर कोई फाइनल नतीजे को जानने में लगा हुआ है।

मतदान दिवस को भाजपा समर्थक कार्यकर्ताओं ने आक्रोश व जोश जाहिर करते हुए वोट करना शुरू किया। जिसे देख कर कांग्रेस के समर्थक कार्यकर्ताओं ने भी खुद को मजबूत साबित करने के लिए सावचेत होते हुए अपने वोटर को घर से लाने और वापिस घर छोड़ने की रणनीति को गतिमान किया। दोपहर होते-होते कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. राजकुमार शर्मा के पुराने साथियो ने बूथों के सामने ये मैसेज पहुँचा दिया कि नवलगढ़ के विकास का पहिया अनवरत तभी चल पायेगा, जब डॉ. राजकुमार शर्मा जीतेंगे।

जागरूक एवं बुद्धिजीवियों ने मंथन कर इस बार का वोट कांग्रेस को समर्पित करने की आवाज आमजन में दी और पहली बार मौजिज वोटर बूथों के सामने देर रात तक डटा रहा। इस प्रकार से मतदान प्रतिशत बढ़ा और डॉ. राजकुमार शर्मा को सबक मिला है कि नये लोगों को जोड़ने की आपा-धापी में पुराने समर्पित लोगों को भुलाने की बजाय हमेशा अग्रणी रखे।

इस बार के चुनाव में रोचक बात ये भी देखने को मिली कि डॉ. राजकुमार शर्मा के पुराने साथी दुबारा जोश के साथ सक्रीय रहे और भाजपा उम्मीदवार का चुनाव भी वो लोग सम्भाल रहे थे, जो डॉ. राजकुमार शर्मा के नवलगढ़ विधायक बनने के बाद उनसे जुड़े हुए थे और खास बनने की दुहाई देते थे। जिसकी वजह से डॉ. राजकुमार शर्मा से पुराने साथी जुड़े रहे लेकिन अग्रणी कतार में नहीं आये। भाजपा प्रत्याशी विक्रम सिंह जाखल की पूरे विधानसभा क्षेत्र में जीत की हवा बनी रही। वहीं मतदाता डॉ. राजकुमार का बचाव भी करते रहे।

विक्रम सिंह जाखल

डॉ. राजकुमार शर्मा

- भाजपा प्रत्याशी विक्रम सिंह की क्षेत्र में जीत की हवा बनी रही
- वहीं मतदाता डॉ. राजकुमार शर्मा का बचाव भी करते रहे

2008 में विधायक बनाने वाले पुराने साथियों ने आखिर डॉ. राजकुमार शर्मा को सम्भाला और आखिर तक डट कर विपक्ष एवं भीतरघात करने वालों से मुकाबला किया तथा ये ही विश्वास जताते रहे कि अन्तिम समय में डॉ. राजकुमार चुनाव निकाल लेंगे। वहीं पिछले 10 सालों में खास बने लोगों ने दबी जुबान में माहौल खिलाफ होना स्वीकार कर कांग्रेस का पक्ष कमजोर ही किया। इसका आभास डॉ. राजकुमार शर्मा को भी हुआ है। तभी तो मतदान समाप्ति पर चुनावी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए डॉ राजकुमार शर्मा बोल ही पड़े कि अपने तो अपने होते हैं।

सूत्रों के अनुसार जानकारी में आया है कि दोपहर से शाम तक हुए मतदान में डॉ राजकुमार शर्मा के पुराने साथियों की रणनीति ने कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. राजकुमार के पक्ष में बड़ी संख्या में वोट गिरे वहीं भाजपा प्रत्याशी जाखल के समर्थन में मतदाताओं में उत्साह भी कम नहीं रहा। मतदान के आखिरी समय में राजकुमार समर्थकों ने कड़ी मेहनत की जिससे डॉ. राजकुमार शर्मा सुरक्षित हो गये है। भाजपा के उम्मीदवार विक्रम सिंह जाखल के समर्थक शुरुआत के जोश को आखिर तक नहीं रख सके और यहीं पर भाजपा का चुनाव फंस गया। मतदान बूथों पर भाजपा के कार्यकर्ताओं का हुजूम सुबह से शाम तक एक जैसा ही रहा और वोटर का आंकलन करने में भ्रमित होते रहे तथा उनकी गाड़ियां दोड़ती रही।

वहीं कांग्रेस के कार्यकर्ता सुबह से दोपहर तक हरेक गांव एवं शहर के मोहल्लों में घर-घर वोटर को बूथ तक लाने में डटे रहे और दोपहर बाद बूथों के सामने जम गये। जिससे वोटिंग भी अच्छी करवाने में सफल हो गये। राजनीतिक विशेषज्ञ भी नवलगढ़ का फाइनल नतीजा नहीं दे पा रहे है क्योंकि 90 हजार से अधिक वोट दोनों पक्षों के पास है लेकिन चुनाव जीतने के 1 लाख की लक्ष्मण रेखा पार करना भी जरूरी है। इस बार का चुनाव परिणाम निश्चित ही राजनीतिज्ञों को सबक देने और अपने शुरुआती साथियों पर ही विश्वास करने की सीख देगा।

मैंने अभी तक बोर्ड के साथ किसी एग्रीमेंट पर साइन नहीं किया है।
-राहुल द्रविड़

टीम इंडिया के हेड कोच, अपना कार्यकाल बढ़ाये जाने की खबर पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **प्रियांशु राजावत**

सनसनी प्रियांशु राजावत ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैपियनशिप एचएसबीसी वर्ल्ड टुअर सुपर 300 में सिंगल्स में भारतीय चुनौती कायम रखते हुए पुरुष एकल के अंतिम आठ में जगह बना ली है। दूसरी ओर महिला सिंगल्स में उन्नित हुड्डा, पुरुष सिंगल्स में किरन जार्ज, महिला सिंगल्स में राष्ट्रीय चैंपियन अनुपमा उपाध्याय, अस्मिता चालिहा, जनानी अनंथ कुमार, रूत्विका शिवानी गुड्डे, मिक्स डबल्स में नितिन कुमार व नवधा मंगलम, बी.सुमित रेड्डी व एन.सिकी रेड्डी, पुरुष डबल्स में ध्रुव रावत व चिराग सेन, आयुष मखीजा व वेंकट गौरव प्रसाद का अभियान हार के साथ समाप्त हो गया।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंका के ओपनर सनत जयसूर्या वनडे क्रिकेट में 250 छक्के पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बने। जयसूर्या ने 412 वनडे मैचों में 252 छक्के लगाये है।

हॉकी महिला जूनियर विश्वकप में जर्मनी ने भारत को हराया

सैंटियागो, 1 दिसंबर। एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्वकप में शुक्रवार को रोमांचक मुकाबले में जर्मनी के हाथो भारत को 4-3 से हार का सामना करना पड़ा। चिली के सैंटियागो में आज खेले गये मुकाबले में भारत की ओर से अन्नु ने 11वें मिनट में, रोपनी कुमारी ने 14वें मिनट में और मुमताज खान ने 24वें मिनट में गोल किये। वहीं जर्मनी की ओर से सोफिया श्वाबे ने 17वें मिनट में, लौरा प्लथ ने 21वें और 36वें मिनट में और कैरोलिन सेइडेल ने 38वें मिनट में गोल दागे। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबाव बनाते हुए जर्मनी की रक्षापंक्ति पर हमले जारी रखे। इन हमलों के बीच भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले और दूसरे पर अन्नु ने गोल करके टीम को बढत दिलाई। इसके तीन मिनट बाद रोपनी ने गोल करके पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त 2-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी के लिए सोफिया ने दूसरे ही मिनट में फील्ड गोल किया और लौरा ने दूसरा गोल दाग कर स्कोर को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। मुमताज ने हालांकि 24वें मिनट में गोल करके हाफटाइम तक भारत को फिर 3-2 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में लौरा ने 36वें मिनट में गोल कर जर्मनी को फिर बराबरी पर ला दिया। कैरोलिन ने 38वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके जर्मनी को मैच में बढ़त दिला दी। आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया लेकिन दोनों टीमे गोल करने में विफल रही। शनिवार को भारत का मुकाबला बेल्जियम से होगा।

भारत ने सबसे ज्यादा टी-20 जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से हराया

रायपुर, दिसम्बर। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 में 20 रन से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने सबसे ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया। भारत ने 136वां टी-20 जीता, टीम ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 135 टी-20 जीत है। रायपुर में चौथा टी-20 जीतने के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली। पांचवां और आखिरी टी-20 तीन दिसंबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा, इसे जीतने पर भी कंगारू टीम सीरीज नहीं जीत सकेगी।

रायपुर में टीम इंडिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। भारत से रिंकू सिंह ने 46 रन बनाए, जबकि अक्षर पटेल ने 3 अहम विकेट लिए। 175 रन का टारगेट चेज करने उतरे ऑस्ट्रेलियाई ओपनर्स ने तेज शुरुआत की। जोश फिलिप और ट्रैविस हेड की जोड़ी ने पहले ओवर से 7 रन लेने के बाद मुकेश कुमार के पहले ओवर में 11 रन लिए। इन दोनों ने दीपक चाहर के दूसरे और पारी के तीसरे ओवर में 22 रन बना डाले। 3 ओवर में कंगारू टीम का स्कोर बिना नुकसान के 40 रन था। ऐसे में चौथा ओवर लेकर आए रवि बिश्नोई ने अपनी पहली ही बॉल पर सफलता दिलाई और जोश फिलिप्स को चलता किया। अगले ही ओवर में अक्षर पटेल ने ट्रैविस हेड को मुकेश कुमार के हाथों कैच कराया।

विंडीज के डाउरिच ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एंटीगुआ, 1 दिसंबर। वेस्टइंडीज टीम के विकेटकीपर शेन डाउरिच ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। शेन डाउरिच को तीन दिसंबर से शुरू होने वाले इंग्लैंड एकदिवसीय मैचों के लिए वेस्टइंडीज टीम में चुना गया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया और क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने डाउरिच की जगह किसी अन्य नाम पर फैसला नहीं किया है, कप्तान शाई होप विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। आईसीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले डाउरिच ने 2019 में बंगलादेश के खिलाफ एक एकदिवसीय मुकाबला खेला। वह नियमित रूप से टेस्ट टीम में रहे है। उन्होंने 35 मैच खेले हैं और 29.07 की औसत से 1570 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और नौ अद्धर्शतक शामिल हैं। उन्होंने 90 खिलाड़ियों को आउट भी किया। सीडब्ल्यूआई के क्रिकेट निदेशक माइल्स बास्कोम्बे ने कहा, हम वेस्टइंडीज के लिए खेल में शेन के योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं। बास्कोम्बे ने कहा, वह एक अनुशासित, कड़ी मेहनत करने वाले क्रिकेटर हैं, उन्होंने हमेशा स्टंप के आगे और पीछे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 2019 में उनकी एक यादगार श्रृंखला थी जब उन्होंने बारबाडोस में घरेलू धरती पर एक उत्कृष्ट टेस्ट शतक बनाया और हमें इंग्लैंड को हराने और विजडन ट्राफी जीतने में मदद की। उन्होंने कहा, मैं संन्यास लेने के उनके फैसले का सम्मान करते हैं और मानते हैं कि इसे लेना आसान नहीं है।

मार्श ने वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर पैर रखने पर कहा- मैं ऐसा दोबारा करूंगा

नई दिल्ली 1 दिसम्बर। पैट कमिंस की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वर्ल्ड कप 2023 की खिताबी जंग में मेजबान टीम इंडिया को मात देते हुए 6ठीं बार खिताब उठाया। इस जीत का जश्न

मनाते हुए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने सारी हदें पार कर दीं। दरअसल, मैच के बाद सोशल मीडिया पर उनकी एक तस्वीर वायरल हुई जिसमें वह वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर पैर रखकर जश्न मनाते नजर आए। भारतीय फैंस समेत मोहम्मद शमी उनकी इस हरकत से काफी आहत हुए थे। शमी ने कहा था किजिस ट्रॉफी के लिए दुनिया की सभी टीमें लड़ती हैं, जिस ट्रॉफी को आप अपने सिर पर उठाना चाहते हैं, उस ट्रॉफी पर पैर रखने से मैं बिल्कुल खुश नहीं हूं। वहीं यूपी में तो मार्श के खिलाफ पुलिस कंप्लेंट भी हुई थी। हालांकि अब मार्श ने इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है, मगर उन्होंने जो बयान दिया है वो भारतीय फैंस को और गुस्सा दिलाएगा।

रोहित-विराट ड्रेसिंग रूम में फूट-फूट कर रोए

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। वनडे वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में मिली हार के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली फूट-फूटकर रोए थे। ये खुलासा टीम के स्टार स्पिनर आर अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर एस बद्रीनाथ से बातचीत के दौरान किया है। ड्रेसिंग रूम का माहौल बताते हुए अश्विन ने कहा, हमें दर्द महसूस हुआ। विराट और रोहित को रोते देखकर बुरा लग रहा था। हमारा वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना टूट गया था। बता दें कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 19 नवंबर को फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया था। अश्विन ने कहा, जीत हमारे नसीब में नहीं थी। यह टीम अनुभवी थी। हर किसी को पता था कि उसे क्या करना है और फिर खिलाड़ी प्रोफेशनल हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की 20 टीमें हुईं फाइनल

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। आईसीसी क्रिकेट मेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए युगांडा के अफ्रीका रीजन से क्वालीफाई करते ही टूर्नामेंट के लिए 20 टीम में फाइनल हो गई है। अफ्रीका रीजन से नामीबिया पहले ही अमेरिका वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 का टिकट कटा चुकी है। बता दें कि आईसीसी मैच टी20 वर्ल्ड कप साल 2024 के जून महीने में अमेरिका और वेस्टइंडीज के संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। युगांडा के टी20 वर्ल्ड कप 2024 में क्वालीफाई करने के साथ ही जिंबॉब्वे का सपना टूट गया है। बता दें कि जिंबॉब्वे 2019 वनडे वर्ल्ड कप और 2023 वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया था। बता दें कि आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए मेजबान वेस्टइंडीज और अमेरिका सहित 20 टीमें क्वालीफाई कर चुकी है।

इन 20 टीमों मेंवेस्टइंडीज, अमेरिका, इंग्लैंड, पाकिस्तान, इंडिया, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, नीदरलैंड, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पीएनजी, कनाडा, नेपाल, ओमान, नामीबिया, युगांडा शामिल है। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 4 ग्रुप है जिसमें 5-5 टीमें शामिल है। इनमें से सभी 4 ग्रुप की टॉप 2 टीमें नेक्स्ट स्टेज यानी सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करेंगी। वहीं, सुपर 8 में क्वालीफाई कर चुकी टीम को 2 ग्रुप में डिवाइड किया जाएगा। इनमें से एक ग्रुप में 4 टीम और दूसरे में भी 4 टीम होगी। इसके अगले स्टेज में सेमीफाइनल मुकाबले के लिए दोनों ग्रुप से टॉप की 2 टीमें क्वालीफाई करेंगी।

इसके बाद दो सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। दोनों सेमीफाइनल की विजेता टीम फाइनल मुकाबले के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल मुकाबले में जो भी टीम जीतेगी वह टी20 वर्ल्ड कप की विश्व चैंपियन बनेगी। बता दें कि टीम इंडिया ने साल 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को हराकर विश्व चैंपियन बनी थी। वहीं, अगर टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 20 टीमों के क्वालिफिकेशन की बात करें तो इसमें 2022 टी20 वर्ल्ड कप की टॉप 8 टीम शामिल की गई है। टी20 वर्ल्ड कप 2022 की टॉप 8 टीम में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, इंडिया, न्यूजीलैंड, नीदरलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, और श्रीलंका है। इसके बाद अगली 2 टीमें अफगानिस्तान और बांग्लादेश टी20 रैंकिंग के हिसाब से तय किए गए हैं।

दूसरी ओर अमेरिका रीजन से कनाडा ने क्वालीफाई किया है। एशिया रीजन से नेपाल और ओमान ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं, ईस्ट एशिया पेसिफिक रीजन से पापुआ न्यू गिनी ने क्वालीफाई किया है। इसके अलावा, यूरोप रीजन से आयरलैंड और स्कॉटलैंड ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए क्वालीफाई किया है। जबकि अफ्रीका रीजन से नामीबिक और युगांडा ने टी 20 वर्ल्ड कप 2023 के लिए क्वालीफाई किया है। जबकि अमेरिका और वेस्टइंडीज मेजबान होने के नाते ऑटोमेटिक क्वालीफाई कर गए हैं।

डॉमिनिका ट्वंटी-20 विश्वकप की मेजबानी से पीछे हटा

रुसाउ, 1 दिसंबर। कैरेबियाई देश डॉमिनिका तय समय में जरूरी निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के हवाला देते हुए टी-20 विश्वकप 2024 के मैचों की मेजबानी से पीछे हट गया है। डॉमिनिका सरकार के यहां जारी बयान में कहा, हमें ठेकेदारों से जो समयसीमा मिली थी, उसके अनुसार हम तय समय पर स्टेडियम के निर्माण कार्यों को पूरा नहीं करा सकते थे। इसलिए हम टी-20 विश्व कप मैचों की मेजबानी से पीछे हट रहे हैं। यह फैसला सभी लोगों के हित में है।

हम क्रिकेट वेस्टइंडीज को धन्यवाद और विश्वकप की मेजबानी के लिए शुभकामना भी देना चाहते हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भी डॉमिनिका सरकार के इस फैसले को स्वीकार किया है और आईसीसी को इसकी जानकारी दी है। टी-20 विश्व कप के टूर्नामेंट डायरेक्टर फवाज बख्श ने कहा, जब बड़े पैमाने पर आप कोई टूर्नामेंट आयोजित करते हो तो ऐसी परिस्थितियों का आना अवश्यंभावी है। हमारे पास प्लान बी है और हम उसको लागू करने की प्रयास करेंगे।

सलमान पर 2010 में पांच साल का बैन लगा था

अब चीफ सिलेक्टर के एडवाइजर बने

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व कप्तान सलमान बट को नेशनल सेलेक्शन कमिटी में जगह दी है। सलमान फिक्सिंग के मामले में 5 साल का बैन झेल चुके हैं। उन्हें चीफ सिलेक्टर वहाब रियाज का सलाहकार नियुक्त किया गया है। बट के अलावा पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल और राव इफ्तिखार अंजुम को भी चीफ सिलेक्टर कमेटी का सलाहकार बनाया गया है।

39 साल के सलमान बट पर 2010 में स्पॉट फिक्सिंग का आरोप लगा था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच हुए मैच में फिक्सिंग के कारण बट पर 5 साल का बैन लगा, जो 2015 में खत्म हुआ। बैन खत्म होने के बाद वह पाकिस्तान की नेशनल टीम में जगह नहीं बना सके। उन्होंने 2016 में क्रिकेट में वापसी की और घरेलू क्रिकेट में काफी सफल रहे लेकिन राष्ट्रीय टीम में दोबारा जगह नहीं बना सके। सलमान बट ने पाकिस्तान के लिए 33 टेस्ट मैचों में 30.47 की औसत 1889 रन बनाए हैं। उन्होंने 78 वनडे मैचों में 36.33 की औसत से 2725 रन बनाए हैं। जबकि 24 टी-20 मैचों में 28.33 की औसत से 595 रन बनाए हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 7 मैच भी खेले हैं, इनमें वह 193 रन ही बना सके।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में काफी बदलाव हुए हैं। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम 5वें नंबर पर रहकर सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। जिसके बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ दी। टेस्ट टीम की कप्तानी अब शान मसूद को सौंपी गई। जबकि टी-20 इंटरनेशनल की कमान शाहीन शाह अफरीदी को सौंपी गई। वहीं मोहम्मद हफीज को क्रिकेट डायरेक्टर नियुक्त किया गया। जबकि उमर गुल को तेज गेंदबाजी कोच और सईद अजमल को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है।

शमी के गांव में खेल सुविधाओं का विकास करायेंगे रालोद अध्यक्ष

अमरोहा, 1 दिसंबर। एक दिवसीय विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का गांव राजनेताओं की पसंद बनता जा रहा है। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) अध्यक्ष जयंत चौधरी ने अपनी सांसद निधि से अमरोहा में शमी के गांव सहसपुर अलीनगर में खेल सुविधाओं के विकास की पहल की है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शमी के गांव में मिनी स्टेडियम बनवाने की घोषणा की थी।

अमरोहा के जिलाधिकारी राजेश त्यागी को भेजे पत्र में श्री चौधरी ने कहा विश्व कप क्रिकेट में शमी ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से पूरी दुनिया के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। देश भर के युवा शमी में अपना नायक देख रहे हैं। मै शमी गांव सहसपुर अलीनगर में अपनी सांसद निधि से खेल सुविधाओं के विकास में योगदान करना चाहता हूं। इसके अंतर्गत गांव में बहुउद्देशीय स्टेडियम, खेल का मैदान , एथेलेटिक्स ट्रेक तथा ओपन जिम का निर्माण शामिल है। आवंटित निधि के बेहतर इस्तेमाल तथा खेलों का मजबूत इकोसिस्टम तैयार करने में सकारात्मक भूमिका निभाई जा सकती है और यह योगदान स्थानीय खिलाड़ियों के लिए कितना बड़ा क़दम होगा।

गौरतलब है कि विश्वकप के सेमीफाइनल में शमी ने न्यूजीलैंड के सात विकेट झटके थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शमी के गांव में स्टेडियम बनवाने के ऐलान के अगले दिन मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने 16 बीघा ज़मीन चिन्हित कर उसका प्रस्ताव तैयार कर दिया गया था।

डेविड वॉर्नर की भविष्यवाणी, बताया कितने वर्ल्ड कप और खेल सकते हैं कोहली

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली 35 साल के हो चुके हैं। इस साल इंडिया में खेले गए आईसीसी वर्ल्ड कप के दौरान ही विराट ने अपना 35वां जन्मदिन मनाया था। अगला वर्ल्ड कप 2027 में खेला जाएगा और तब तक विराट की उम्र 39 साल हो चुकी होगी। वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद से ही कयास लगाए जाने लगे कि खिलाड़ी के तौर पर यह विराट का आखिरी वर्ल्ड कप भी हो सकता है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ऐसा बिल्कुल नहीं मानते हैं। वॉर्नर का तो मानना है कि विराट एक नहीं बल्कि आने वाले दो वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। सोशल मीडिया पर एक फैन ने लिखा कि डेविड वॉर्नर सर क्या आप 2027 वर्ल्ड कप खेलेंगे, मैं आपको उस वर्ल्ड कप में देखना चाहता हूं।

रचिन रविंद्र का दावा- इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मुझे आईपीएल में पिक किया जाएगा

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। न्यूजीलैंड के उभरते ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने कहा कि उन्होंने अपने पिता के क्रिकेट के प्रति प्यार के कारण इस खेल को चुना। रचिन ने हाल ही में संपन्न आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में दमदार प्रदर्शन किया था।

उन्होंने 10 मैचों में 106.44 की औसत से तीन शतक और दो अर्धशतकों के साथ 578 रन बनाए। कुछ मौकों पर रचिन रविंद्र ने गेंदबाजी भी की और कुल 5 विकेट लेने में भी सफल हुए। ऐसे में कई आईपीएल टीमों की उन पर नजर है, लेकिन रचिन का इस पर कहना है कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मुझे

आईपीएल में पिक किया जाएगा। ईएसपीएनक्रिकइंफो को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि लाइफ और क्रिकेट में कोई गारंटी नहीं है। रचिन बोले, चाहे यह शोर हो या जो रिपोर्ट किया जा रहा हो, मुझे लगता है कि जो महत्वपूर्ण है, जो अभी मायने रखता है वह यह है कि आपके सामने कौन सी सीरीज है। आईपीएल में अभी काफी समय है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि मुझे (नीलामी में) चुना जाएगा। जीवन और क्रिकेट में कोई गारंटी नहीं है। मेरा ध्यान सिर्फ उस पर है जो मेरे सामने है: बांग्लादेश टेस्ट सीरीज। आप वर्तमान में रहते हैं, आप उन क्षणों का आनंद लेते हैं। मुझे न्यूजीलैंड के लिए खेलने का जो भी मौका मिलता है, मैं उसका बहुत-बहुत आभारी हूं।

युगांडा के 20 वर्ल्ड कप 2024 में क्वालीफाई करते ही आया जय शाह का रिएक्शन

ट्वीट कर दी पूरी टीम को बधाई

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। बीसीसीआई सेक्रेट्री जय शाह ने साल 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने पर युगांडा को बधाई दी है।

बता दें कि युगांडा ने क्वालीफायर मुकाबले में रवांडा को 9 विकेट से हराकर आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 का टिकट पक्का कर लिया। बता दें कि आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के जून महीने में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाना है। टी20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमों ने क्वालीफाई किया है। टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2022 की टॉप 8 टीम में रहने के कारण पहले ही क्वालीफाई कर चुकी है। जय शाह ने वर्ल्ड कप 2024 के लिए दी शुभकामनाएं

जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्वीट करते हुए लिखा है, इतिहास रचा गया! अपने क्रिकेट इतिहास में पहली बार युगांडा ने अफ्रीका रीजन से क्वालीफायर के अंतिम गेम में रवांडा को हराकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया है। युगांडा क्रिकेट के लिए यह क्या पाल है! शानदार क्वालीफायर अभियान के लिए सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को बधाई और 2024 टी20 वर्ल्ड कप के लिए शुभकामनाएं। बीसीसीआई सेक्रेट्री जय शाह के ट्विट पर यूजर्स अपनी-अपनी तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली क्यों नहीं हैं टी-20 टीम का हिस्सा

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। साउथ अफ्रीका के दौरे पर खेली जाने वाली टी20 सीरीज के साथ रोहित शर्मा और विराट कोहली के इंटरनेशनल क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में लौटने की बात कही जा रही थी। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि चयनकर्ता रोहित शर्मा और विराट कोहली को इस टी20 सीरीज के लिए टीम में चुनेंगे, लेकिन जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने गुरुवार की रात में टीम का ऐलान किया तो रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 तो छोड़िए वनडे सीरीज के लिए भी नहीं चुने गए। इसके पीछे का असली कारण क्या है, ये जान लीजिए, जो खुद बीसीसीआई ने बताया है। दरअसल, टीम का ऐलान करते हुए बीसीसीआई ने एक मीडिया रिलीज जारी की है। इसमें बोर्ड ने बताया है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के दौरे पर खेली जाने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ब्रेक की मांग की थी।

बीसीसीआई ने उनके इस अनुरोध को स्वीकार किया और उन्हें व्हाइट बॉल लेग से आराम दे दिया गया। यही कारण है कि रोहित और विराट साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीधे टेस्ट सीरीज खेलेंगे। रोहित शर्मा रेड बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया के कप्तान हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव को टी20 और केएल राहुल को इस दौरे पर वनडे टीम की कप्तानी मिली है। साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान, रोहित शर्मा और विराट कोहली को मिला आराम; इन्हें मिली है कप्तानी हालांकि, सामने आ रहा है कि रोहित शर्मा को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए कप्तान के तौर बीसीसीआई पेश करने वाली है। चयनकर्ताओं ने भी रोहित शर्मा को कप्तान के रूप में स्वीकार किया है और विराट कोहली को भी अनुभवी बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह देने का मन बनाया है।

इन दोनों खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ जनवरी में भारत में खेली जाने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ इस फॉर्मेट में वापसी करने का मौका मिल सकता है। यही तीन मैच वेस्टइंडीज और यूएसए में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप से पहले भारत के आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच होंगे। हालांकि, अच्छी बात ये है कि वर्ल्ड कप के लिए टीम चुनी जाएगी तो उसमें आईपीएल 2024 का प्रदर्शन भी मायने रखेगा, क्योंकि आईपीएल के बाद ही टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन होगा।

वहाब रियाज की मदद के लिए पीसीबी ने की सलाहकार सदस्यों की नियुक्ति

कराची, 1 दिसंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सेवानिवृत्त तीन खिलाड़ियों को मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज के सलाहकार सदस्यों के रूप में नामित किया है। पीसीबी ने मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज के सलाहकार सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल, राव इफ्तिखार अंजुम और सलमान बट की नियुक्ति की पुष्टि की है। शुक्रवार को जारी आईसीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि सलाहकार सदस्यों की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू है और उनके पहले कार्यभार में 12 जनवरी से शुरु होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला शामिल है।

प्रियांशु राजावत सैयद मोदी इंटरनेशनल के क्वार्टर फाइनल में

लखनऊ, 1 दिसम्बर। भारत की उभरती सनसनी प्रियांशु राजावत ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैपियनशिप एचएसबीसी वर्ल्ड टुअर सुपर 300 में सिंगल्स में भारतीय चुनौती कायम रखते हुए पुरुष एकल के अंतिम आठ में जगह बना ली है। बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में दो लाख दस हजार अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाली चैंपियनशिप में महिला डबल्स में गायत्री गोपीचंद व त्रिशा जॉली और अश्विनी पोनप्पा व तनीषा क्रेस्टो की भारतीय जोड़ी ने भी क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। दूसरी ओर महिला सिंगल्स में उन्नित हुड्डा, पुरुष सिंगल्स में किरन जार्ज, महिला सिंगल्स में राष्ट्रीय चैंपियन अनुपमा उपाध्याय, अस्मिता चालिहा, जनानी अनंथ कुमार, रूत्विका शिवानी गुड्डे, मिक्स डबल्स में नितिन कुमार व नवधा मंगलम, बी.सुमित रेड्डी व एन.सिकी रेड्डी, पुरुष डबल्स में ध्रुव रावत व चिराग सेन, आयुष मखीजा व वेंकट गौरव प्रसाद का अभियान हार के साथ समाप्त हो गया। पुरुष सिंगल्स में भारत के प्रियांशु राजावत ने भी 21-18, 11-6 की जीत से अंतिम आठ में जगह बना ली। ओरलियांस मास्टर्स-2023 के विजेता प्रियांशु ने पहले गेम में 21-18 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में प्रियांशु 11-6 से आगे थे लेकिन सतीश को हाथ में चोट लगने के चलते मैच छोड़ना पड़ा। महिला डबल्स के प्री क्वार्टर फाइनल में भारत की त्रिशा जाली व गायत्री गोपीचंद ने हमवतन धनन्या नंदकुमार व ऋद्धि कौर तूर के खिलाफ 21-9, 21-5 की जीत के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। धनन्या व ऋद्धि ने काफी कोशिश की लेकिन गायत्री व त्रिशा ने कोर्ट पर शाानदार जुगलबंदी दिखाई और शानदार प्रदर्शन से जीत अपने नाम कर ली। गायत्री व त्रिशा सैयद मोदी बैडमिंटन टूर्नामेंट 2022 की उपविजेता रही है। महिला डबल्स के एक अन्य प्री क्वार्टर फाइनल में भारत की अश्विनी पोनप्पा व तनीषा क्रेस्टो ने भारत की रुतुपर्णा पांडा व स्वेतपर्णा पांडा को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 22-20, 17-21, 21-16 से हराया। दूसरी ओर मिक्स डबल्स में रोहन कपूर के साथ जोड़ी बनाकर उतरी अश्विनी पोनप्पा को हार मिली। भारतीय जोड़ी को पांचवीं वरीय जापान के यूकी कनेको व मिसाकी मत्सुतोमो ने 21-14, 21-14 मात दे दी। महिला सिंगल्स में जापान की नोजोमी आकोहुरा ने भारत की युवा स्टार 16 साल की उन्नित हुड्डा को 21-9, 21-13 से मात दी। पहले गेम में पूर्व विश्व नंबर वन ने आसानी से 21-9 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में अबूधाबी मास्टर्स-2023 की विजेता उन्नित ने कुछ चुनौती पेश की लेकिन उनके पास नोजोमी के उम्दा शॉट का कोई जवाब नहीं था। पुरुष सिंगल्स में चीनी ताइपे के चिया हाओ ली ने तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में भारत के किरन जार्ज को 21-16, 18-21, 22-20 से हराया।

'राज्यपाल विधेयकों को राष्ट्रपति के पास नहीं भेज सकते'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, राज्यपाल किसी विधेयक से यदि असहमत हैं तो मुख्यमंत्री के साथ बातचीत करके विधेयकों में बदलाव कराने का प्रयास कर सकते हैं लेकिन उसे हमेशा के लिए रोक नहीं सकते

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, एक बार जब राज्यपाल विधेयकों पर सहमति रोक देते हैं तो वे विधेयक को हमेशा के लिए अपने पास रोककर ''विधेयक को ख़त्म'' नहीं कर सकते।**

नयी दिल्ली, 1 दिसंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि विधानसभा की ओर से भेजे गए विधेयक पर एक बार जब राज्यपाल सहमति नहीं देते तो बाद में यह नहीं कह सकते कि वह इसे राष्ट्रपति के पास भेज देंगे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर यह टिप्पणी की और स्पष्ट किया कि एक बार जब राज्यपाल सहमति रोक देते हैं तो वह इसे हमेशा के लिए रोककर ''विधेयक को ख़त्म'' नहीं कर सकते।

पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से कहा कि बहुत सारी चीजें हैं जिन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और वहां के राज्यपाल के बीच हल करना होगा। पीठ ने कहा, ''यदि राज्यपाल मुख्यमंत्री से बातचीत करते हैं और उनकी सहमति के लिए प्रस्तुत विधेयकों के निपटारे के संबंध में गतिरोध को हल करते हैं तो हम इसकी सराहना करेंगे।''

पीठ ने कहा, ''हम चाहते हैं कि राज्यपाल इस गतिरोध को दूर करें। हम इस तथ्य से अवगत हैं कि हम उच्च संवैधानिक पद के साथ काम कर रहे हैं...संविधान के अनुच्छेद 200 के मूल भाग के तहत राज्यपाल के पास तीन विकल्प हैं। वह विधेयक पर सहमति दे सकते हैं। सहमति रोक सकते है या वह को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित कर सकते है।

पीठ ने कहा, ''एक बार जब राज्यपाल सहमति रोक देते हैं तो इसे राष्ट्रपति के पास भेजने का कोई सवाल ही नहीं उठता।'' अटॉर्नी जनरल के अपनी ओर से यह कहने पर कि यह एक खुला प्रश्न है और इसकी जांच की जानी चाहिए, पीठ ने कहा, हमने वह कानून बनाया है।यह हमारे फैसले (पंजाब के राज्यपाल मामले में) द्वारा शासित है।

पीठ ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति एक निर्वाचित पद रखता है। इसलिए संविधान ने उसे अधिक व्यापक शक्तियाँ प्रदान की हैं। पीठ ने कहा, केंद्र सरकार के नामित व्यक्ति के रूप में राज्यपाल को अनुच्छेद 200 के मूल भाग में निर्दिष्ट तीन विकल्पों में से एक का उपयोग करना चाहिए।

अटॉर्नी जनरल ने दलील दी कि यदि राज्यपाल अनुमति रोकते हैं तो विधानसभा कहेगी कि हमें सहमति रोकने की परवाह नहीं है, ''हम विधेयक को एक बार फिर पारित करेंगे''। पीठ ने अटर्नी जनरल से पूछा, राज्यपाल के पास सहमति को रोकने की स्वतंत्र शक्ति है?'' पीठ कहा कि वह इस मसले पर अगले सप्ताह विचार करेगी। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने 20 नवंबर को सवाल किया था कि जनवरी 2020 में सहमति के लिए प्रस्तुत विधेयकों पर निर्णय लेने में तमिलनाडु के राज्यपाल तीन साल तक क्या कर रहे थे।

पुलवामा मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर 1 दिसंबर (वार्ता)। दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने पुलवामा के अरिहाल गांव में गुरुवार को घेराबंदी और तलाश अभियान छेड़ा था। इसी दौरान वहो छिपे

- **मृत आतंकवादी की पहचान पिंजूरा शोपियां निवासी मोहम्मद अयूब अली के बेटे किफायत अयूब अली के रूप में हुई है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था।**

आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी। दोनों पक्षों के बीच चली मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया।

उन्होंने बताया कि मृत आतंकवादी की पहचान पिंजूरा शोपियां निवासी मोहम्मद अयूब अली के बेटे किफायत अयूब अली के रूप में हुई है।

'हिन्द प्रशांत क्षेत्र में किसी भी समय टकरावपूर्ण स्थिति बन सकती है'

- **नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि, हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती आर्थिक और सामरिक महत्वकांक्षा इस क्षेत्र में शांति की राह में सबसे बड़ी बाधा है।**
- **नौसेना में हाल ही में एक महिला अग्निवीर की आत्महत्या से जुड़े प्रश्न पर उन्होंने कहा कि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है और इस मामले की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन किया गया है।**

नयी दिल्ली, 1 दिसंबर (वार्ता)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में जिस तरह के विवाद हैं उनके कारण वहां किसी भी समय टकरावपूर्ण स्थिति बन सकती है लेकिन भारतीय नौसेना वहां कड़ी नजर रख रही है और हर स्थिती से निपटने में पूरी तरह सक्षम है।

नौसेना प्रमुख ने नौसेना दिवस से पहले आज यहां वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए हिन्द प्रशांत क्षेत्र की स्थिति के बारे में पूछे सवाल के जवाब में कहा कि वहां कुछ विवाद हैं और ये टकराव का रूप भी ले सकते हैं। इसके अलावा वहां डकैती से लेकर तस्करी तथा आपदाओं के समय विभिन्न तरह के अभियान चलाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हिंद प्रशांत में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए परस्पर संवाद जरूरी है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत खुले , मुक्त, स्वतंत्र तथा नियम आधारित हिंद प्रशांत क्षेत्र का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में भारत हर गतिविधि पर कड़ी नजर रख रहा है और किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है।

हिंद महासागर के बारे में एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि सागर साझा धरोहर माने जाते हैं । महासागरों में हर देश कानूनी रूप से अपनी आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है। चीन को भी वहां आर्थिक गतिविधियों का अधिकार है। क्षेत्र में भारत एक नौसैनिक ताकत है और वह हर देश की गतिविधि पर करीबी नजर रखता है ।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भारतीय हितों की रक्षा करना नौसेना की प्राथमिकता है।

एडमिरल कुमार ने कहा कि जहां नौसेना के युद्धपोत और अन्य प्लेटफार्म हिन्द महासागर तथा हिन्द प्रशांत में तैनात रहते हैं वहीं हमारे प्लेटफार्म विभिन्न मित्र देशों की यात्राओं पर भी जाते हैं। इसके अलावा वे विभिन्न अभियानों में हिस्सा लेने के साथ-साथ अनेक देशों की नौसेनाओं के साथ द्विपक्षीय तथा संयुक्त अभ्यास में भी हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि इससे नौसेनाओं के बीच परस्पर विश्वास तो बढ़ता ही है इनमें तालमेल तथा सहयोग भी बढ़ता है। युद्धपोतों की विभिन्न जगहों पर तैनाती से जहां क्षेत्र में निगरानी की जाती है वहीं अलग-अलग अभियानों में हिस्सा लेने से उसकी विश्वसनीयता बढती है।

नौसेना के लिए दूसरे विमानवाहक पोत के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत बनाने के बाद अब नौसेना आश्वस्त है कि उसे इस क्षेत्र में महारत हासिल हो गयी है और अब अधिक आधुनिक विमानवाहक पोत को भी कम समय में बनाया जा सकता है।

रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण पर उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आयात पर निर्भरता कम होती है।

भारत ने विदेशों में छुपे 184 आर्थिक भगोड़ों की लॉकेशन का पता लगाया

सी.बी.आई. ने दावा किया कि, भारतीय एजेंसियों ने इंटरपोल के साथ मिलकर इन आर्थिक अपराधियों की गिरफ्तारी व स्वदेश वापसी की कवायद शुरु कर दी है

- **सी.बी.आई. के अनुसार, पहले ही इस वर्ष कम से कम 24 भगोड़ों की स्वदेश वापसी कराई जा चुकी है। भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के बीच बढ़ते सहयोग के परिणामस्वरूप 2021 से अब तक 65 से अधिक ऐसे व्यक्तियों को वापस लाया गया है। पिछले साल जहां 27 अपराधियों को भारत वापस लाया गया, वहीं 2021 में 18 को वापस लाया गया था।**

नई दिल्ली,1 दिसम्बर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने विभिन्न देशों में 184 अपराधियों का पता लगा लिया है और इंटरपोल तथा संबंधित देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद से उनकी वापसी के लिए औपचारिक कार्यवाही शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के प्रमुख दिनकर गुप्ता ने वियना में इंटरपोल की 91वीं आम सभा में ''अपराध, अपराधियों और अपराधों की आय के लिए किसी भी सुरक्षित आश्रय से इनकार करने'' पर जोर दिया।

संघीय भ्रष्टाचार निरोधक जांच एजेंसी पहले ही इस वर्ष कम से कम 24 भगोड़ों की वापसी करा चुकी है। भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के बीच बढ़ते सहयोग के परिणामस्वरूप 2021 से 65 से अधिक ऐसे व्यक्तियों को वापस लाया गया है। पिछले साल जहां 27 अपराधियों को भारत वापस लाया गया, वहीं 2021 में 18 को वापस लाया गया।

सीबीआई ने एक बयान में कहा, ''2023 में भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा वांटेड 24 अपराधियों और भगोड़ों को इंटरपोल चैनलों के माध्यम से करीबी सहयोग करके विदेश से भारत लौटाया गया था। यह एक वर्ष में अब तक की सबसे अधिक घटनाओं में से एक है। इसके अलावा, भारत ने विभिन्न देशों में 184 से अधिक अपराधियों का पता लगाया है और उनकी वापसी के लिए औपचारिक कार्यवाही शुरू की है। यह अपराध और अपराधियों से निपटने के लिए इंटरपोल चैनलों के बढ़ते लाभ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ संबंधों को दर्शाता है।''

भारतीय एजेंसियों द्वारा अपराधियों का जियोलोकेशन पता करने से तात्पर्य तकनीकी डेटा, फोन लोकेशन, आपराधिक गतिविधि और ह्यूमन इंटेलिजेंस सहित विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल करके उनके ठिकाने का पता लगाना है। पिछले तीन वर्षों में विदेशों से वापस लाए गए कुछ भगोड़ों में सुभाष शंकर परब भी शामिल है।

मोदी ने गुटेरेस से की मुलाकात

दुबई, 1 दिसम्बर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां विश्व जलवायु कार्रवाई सम्मेलन से इतर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की।

मोदी ने भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान समर्थन के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव को धन्यवाद दिया। उन्होंने जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भारत की पहल और प्रगति पर प्रकाश डाला।

दोनों नेताओं ने जलवायु कार्रवाई, जलवायु प्रौद्योगिकी और संयुक्त राष्ट्र सहित बहुपक्षीय मंचों तथा वित्तीय संस्थानों में सुधारों से संबंधित ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं और चिंताओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने जी20 अध्यक्षता के तहत सतत विकास, जलवायु कार्रवाई और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में भारत के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री की 'ग्रीन क्रेडिट' पहल का स्वागत किया। गुटेरस ने भारत की जी20 अध्यक्षता की उपलब्धियों को आगे बढ़ाने और उन्हें संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन 2024 में आगे ले जाने के लिए भारत के साथ काम करने की पुष्टि की।

गाज़ा पट्टी में इज़राइली हमलों में 109 लोगों की मौत

इज़राइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि, हम हमास के पूरी तरह से खात्मे की कसम खा चुके हैं अब पीछे नहीं हट सकते

- **सीज़फायर खत्म होते ही इज़राइल ने फिर से हमास के ठिकानों को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ कई हमले किये।**
- **रिपोर्ट्स के अनुसार सीज़फायर के दौरान सबसे पहले हमास की ओर से इज़राइली क्षेत्र में हमले किये गये थे, उसके तुरंत बाद इज़राइल ने भी गाज़ा पट्टी पर जवाबी हमले शुरु कर दिये।**
- **हमलों से पहले इजराइल के रक्षा बलों ने कहा कि, हमास ने मानवीय विराम तोड़ दिया, जिससे इज़राइल को युद्ध फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा।**

यरुशलेम/ट्यूनिस, 1 दिसंबर (वार्ता/स्पूतनिक)। गाजा पट्टी पर शुक्रवार को इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या 109 से अधिक हो गई है तथा बड़ी संख्या में लोग घायल हो गये। गाजा पट्टी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

इससे पहले दिन में इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने गाजा पट्टी में हमास आंदोलन के खिलाफ लड़ाई फिर से शुरू कर दी है। उसने कहा कि उसने इजरायली क्षेत्र पर गोलीबारी करके मानवीय विराम का उल्लंघन किया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आज सुबह संघर्ष विराम खत्म होने के बाद से इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 109 हो गई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, संघर्ष विराम की समाप्ति के तीन घंटे के भीतर इजरायली कब्जे के नरसंहार के पीड़ितों की संख्या बढ़कर 32 हो गई। इनमें कई लोगों को अलग-अलग स्तर की चोटें लगीं। मृत और घायल लोगों में अधिकांश महिलायें और बच्चे शामिल हैं।

इससे पहले दिन में, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि हमास ने मानवीय विराम तोड़ दिया, जिससे इज़राइल को युद्ध फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने गुरुवार देर रात रिपोर्ट दी कि दोनों पक्ष अस्थायी मानवीय विराम को आठवें दिन तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

इसकी हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। नवीनतम संघर्षविराम आज स्थानीय समयानुसार सुबह 07:00 बजे समाप्त हो गया।

इजरायल और हमास के बीच एक सप्ताह के संघर्ष विराम की अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद शुक्रवार को इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा को फिर से निशाना बनाते हुए पूरी ताकत के साथ हमला शुरू शुरू किया। इजरायल के हवाई हमलों दक्षिण गाजा पर हमला किया, जिसमें खान यूनिस शहर के पूर्व में अबासन समुदाय रहते हैं। इजरायल के एक अन्य हवाई हमले ने गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में एक घर को निशाना बनाया। दक्षिण गाजा पट्टी में लगातार विस्फोटों की आवाज़ सुनायी दी गई और क्षेत्र से काला धुएं का गुब्बार निकलता दिखाई दिया।

इज़रायल में भी गाजा से सटे तीन इलाकों में सायरन की आवाज सुनी गयी और रॉकेट हमले की चेतावनी दी गयी। इलाके के लोगों को चेतावनी दी गयी कि कि हमास ने भी अपने हमले फिर से शुरू कर दिए हैं।

इजरायली सेना की नए सिरे से हमलों की घोषणा और एक सप्ताह से अस्थायी संघर्ष विराम आज सुबह सात बजे समापत होने के केवल आधे घंटे के बाद इजरायल ने गाजा पर हमले शुरू कर दिये। दोनों पक्षों की ओर से 24 नवंबर को संघर्ष विराम की अवधि शुरू हुयी थी और आज सुबह सात बजे यह अवधि समाप्त हो गयी थी।

गाजा की 23 लाख की अधिकांश आबादी अब दक्षिण गाजा में फंस गई है और वहां से निकलने के लिए रास्ते तलाश रहे हैं। इससे पहले इजरायल की सेना ने अपने शुरुआती बमबारी के दौरान हजारों लोगों को उत्तरी गाजा को खाली करने का निर्देश दिये थे।

इजरायल और गाजा के बीच सात अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से अबतक 16,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

फ्लाइट में महिला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की थी क्योंकि महिला की पल्स फिर बंद हो गई। हम करीब 30 मिनट तक लगातार कोशिश करते रहे लेकिन धड़कन बार-बार आ रही थी और थोड़ी देर में वापस बंद हो रही थी। पर हमने हार नहीं मानी और लगातार सीपीआर देते रहे जिससे बाद में महिला की धड़कन पूरी तरह से आ गई।

फ्लाईट में मौजूद लोगों को ये चमत्कार लग रहा था। वायुयान प्रबंधन ने जयपुर में एम्बुलेंस की व्यवस्था करवा दी थी जिससे महिला को अस्पताल पहुंचाया गया। अभी महिला की अस्पताल से छुट्टी हो गई और वो पूरी तरह से स्वस्थ है।

2.40 लाख रू. की रिश्वत लेते सरपंच गिरफ्तार

- **चित्तौड़गढ़ के जाड़ाना गांव के सरपंच संजय सुखवाल ने पट्टा जारी करने के एवज में यह रिश्वत ली है।**
- **उल्लेखनीय है कि आरोपी सरपंच शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी से 1 लाख रुपये ले चुका था।**

कपासन, 1 दिसम्बर (निसं)। एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) मुख्यालय के निर्देश पर चित्तौड़गढ़ इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये संजय सुखवाल उर्फ संजू सरपंच, ग्राम पंचायत जाड़ाना, तहसील राश्मी, जिला चितौड़गढ़ को परिवादी से 2 लाख 40 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक श्री हेमन्त प्रियदर्शी (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) ने बताया कि ए.सी.बी. की चित्तौड़गढ़ इकाई में परिवादी ने शिकायत की थी कि उसके कब्जाशुदा भूखण्ड का पट्टा जारी करने की एवज में संजय सुखवाल उर्फ संजू सरपंच, ग्राम पंचायत जाड़ाना, तहसील राश्मी, जिला चित्तौड़गढ़ 3 लाख 40 हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान कर रहा है।

ए.सी.बी. के उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल की निगरानी में ए.सी.बी. की चित्तौड़गढ़ इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाश सान्दू के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया फिर संजय सुखवाल उर्फ संजू निवासी ग्राम जाड़ाना, तहसील राश्मी, जिला चित्तौड़गढ़ हाल सरपंच, ग्राम पंचायत जाड़ाना, तहसील राश्मी, जिला चित्तौड़गढ़ को परिवादी से 2 लाख 40 हजार रूपये रिश्वत के रूप में लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी सरपंच शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी से 1 लाख रुपये ले चुका था। ए.सी.बी. टीम उस राशि को बरामद करने का प्रयास कर रही है।

आरोपी सरपंच द्वारा हाल ही में जारी किये गये अन्य पट्टों के संबंध में भी ए.सी.बी. द्वारा जांच की जा रही है। ए.सी.बी. उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। ए.सी.बी. द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

अब तीन को नहीं चार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिरलाई पावल (एमजेडपी) शामिल हैं।

आइजोल में राजभवन के पास रैली को संबोधित करते हुए एनजीओसीसी के अध्यक्ष लालहमछुआना ने निर्वाचन आयोग पर राजनीतिक दलों, गिरजाघरों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा बार-बार मतगणना की तारीख को बदलने की अपील के बावजूद इस मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाया। लालहमछुआना ने कहा कि मतगणना की तारीख रविवार को पड़ती है, जो ईसाइयों के लिए एक पवित्र दिन है। उन्होंने कहा कि मिजोरम एक ईसाई बहुल राज्य है। उन्होंने कहा कि एनजीओसीसी ने हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली भेजा था और निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग इस मुद्दे पर चुप रहा और हमारी अपीलों का जवाब देने में विफल रहा।

सीवाईएमए के अध्यक्ष लालहमछुआना ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन मिजो समुदाय और उनके धर्म की रक्षा के अलावा और कुछ नहीं है। मिजो हमीछे इंसुइहखावम पावल (एमएचआईपी) या मिजोरम महिला संघ, मिजो छात्र संघ (एमएसयू) और एमजेडपी जैसे अन्य संगठनों के नेताओं ने भी रैली को संबोधित किया।

मिजोरम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान सात नवंबर को हुआ था। राज्य के 8.57 लाख पात्र मतदाताओं में से 80 फीसदी से अधिक ने मतदान किया है। कुल 174 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के सभी 13 मतगणना केंद्रों और 40 मतगणना हॉल में सुबह आठ बजे गिनती शुरू होगी। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती की जाएगी, उसके बाद ईवीएम में दर्ज वोटों की गिनती की जाएगी।

अब तीन को नहीं चार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक में उनके खुद के ही कुछ रिज़ाट्र्स हैं। शुक्रवार को कर्नाटक के कुछ पत्रकारों ने जब शिवकुमार से पार्टी नेतृत्व द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को लेकर बात की तो उन्होंने कहा कि इसका श्रेष्ठतम निर्वहन करना उनका कर्त्तव्य है।

उन्होंने कांग्रेस के प्लान बी को लेकर कोई तथ्य नहीं छिपाया, जिसमें पार्टी की मुख्य चिन्ता अन्य राज्यों में भाजपा और तेलंगाना में अधिक साधन सम्पन्न बी.आर.एस. द्वारा कांग्रेस विधायकों की संभावित खरीद फरोख्त है। हम पिछले कई अवसरों पर शिवकुमार का जलवा पहले ही देख चुके हैं। एक बार तो उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को तब मात दी थी जब भाजपा नेतृत्व अहमद पटेल को राज्यसभा चुनावों पराजित करवाना चाहता था और तब कर्नाटक का यह दिग्गज नेता कांग्रेस विधायकों के आगे दीवार बनकर खड़ा हो गया था। जब तक वोटिंग शुरु नहीं हुई, कांग्रेस विधायक उनकी महफूज़ सरपरस्ती में रहे।

अब जबकि एग्ज़िट पोल्स ने तेलंगाना सहित कुछ राज्यों में कांटे के मुकाबले और त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की है तो एक बार फिर से ''रिज़ार्ट पॉलीटिक्स'' का समय आ सकता है।

गोवा में सर्वाधिक विधायकों को जिताने के बावजूद कांग्रेस वहां सरकार का गठन करने में विफल रही थी और उससे सबक लेकर इस बार वह भाजपा की चालों को लेकर अलर्ट है। भाजपा भी चौकस है और यदि जिताऊ विधायकों का आंकड़ा उसके पक्ष में नहीं रहता है तो भी वह सरकार बनाने का कोई भी अवसर चूकना नहीं चाहेगी।

तेलंगाना में तो भाजपा की दिली तमन्ना यही है कि मतगणना में त्रिशंकु विधानसभा के परिणाम आए ताकि वह अपन चुनिंदा विधायकों के साथ किंगमेकर की भूमिका अदा कर सके। एग्ज़िट पोल की भविष्यवाणियों के अनुसार भाजपा 3 से 5 सीटें जीतकर ए.आई.एम.आई.एम. के बाद चौथे स्थान पर रहेगी। ए.आई.एम.आई.एम. के सात सीटें जीतने की संभावना है और उसकी वर्तमान में भी इतनी ही सीटें हैं।

उम्मीद है कि कांग्रेस 60 से अधिक सीटें जीतकर तेलंगाना में सरकार का गठन करेगी, लेकिन यदि पार्टी बहुमत के जादुई आंकड़े से थोड़ा सा भी दूर रह जाती है या पार्टी के नव निर्वाचित विधायकों दल-बदल अथवा इस्तीफा देने के लिए प्रलोभित किया जाता है तो ऐसी स्थिति में कांग्रेस का प्लान बी भी तैयार है। इसीलिए अपने बहुमूल्य लोगों को संरक्षित करने के लिए पार्टी ने एक आपातकालीन योजना बनाई है और इस काम के लिए डी.के. शिवकुमार से अधिक योग्य कौन हो सकता है?

नवम्बर में जी.एस.टी. कलैक्शन 1.68 लाख करोड़ से अधिक

नयी दिल्ली, 1 दिसंबर (वार्ता)। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह इस वर्ष नवंबर में 1.68 लाख करोड़ रुपये के करीब रहा है जो पिछले वर्ष के इसी महीने में संग्रहित 145867 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।

चालू वित्त वर्ष में यह छठवां महीना है जब जीएसटी राजस्व संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी जीएसटी के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष नवंबर में कुल जीएसटी संग्रह 167929 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सीजीएसटी 30420 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 38226 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 87009 करोड़ रुपये जिसमें आयातित वस्तुओं पर संग्रहित कर 39198 करोड़ रुपये भी शामिल है। क्षितपूर्ति अधिभार के रूप में 12274 करोड़ रुपये संग्रहित हुये हैं ।

- **यह राशि पिछले वर्ष के इसी महीने में संग्रहित 145867 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।**

बैंक के असिस्टेंट मैनेजर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपी को सस्पेंड कर शास्त्रीनगर पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। यह गबन यूनियन बैंक की दो शाखाओं बासनी और जालोरी गेट पर हुआ है।

आरोपी अप्रैल 2023 से जोधपुर की सोजती गेट ब्रांच में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था। इसी ब्रांच के मैनेजर ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

शास्त्रीनगर पुलिस थाना प्रभारी मोहम्मद शफीक खान ने बताया कि सोजती गेट स्थित यूनियन बैंक के प्रबंधक चेतन प्रकाश ने गुरुवार रात गबन का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने यूनियन बैंक (सोजती गेट) के सह प्रबंधक आकाश वर्मा पर साल 2021 से अप्रैल 2023 तक करीब दो साल में बासनी और जालोरी गेट ब्रांच में रहते हुए एक करोड़ रुपए का गबन करने के आरोप लगाए।

थाना प्रभारी ने बताया कि धोखाधड़ी काफी शातिर तरीके से की गई है। इस संबंध में पुलिस जांच कर रही है। बैंक से रिकॉर्ड प्राप्त किए गए हैं। जिस-जिस पर संदेह है, सबको बुलाकर जांच करेंगे। पूरी जांच के बाद ही पता चलेगा कि आरोपी ने कुल कितने रुपए की धोखाधड़ी की है। बैंक ऑडिट में साफ होगा कि कुल कितना नुकसान हुआ है।

सूत्रों के अनुसार आकाश वर्मा 2016 से यूनियन बैंक में है। अब तक बासनी ब्रांच से करीब 35 लाख रुपए का गबन सामने आया है। आरोपी ने बासनी और जालोरी गेट ब्रांच में काम किया था। वहां के सभी रिकॉर्ड पुलिस ने मंगवाए हैं। बैंक प्रशासन भी अपने स्तर पर गबन का पता लगाने में जुट गया है। बैंक अधिकारियों की ओर से ऑडिट की जा रही है।

पिछले दो साल में असिस्टेंट मैनेजर आकाश वर्मा यूनियन बैंक जोधपुर की बासनी और जालोरी गेट स्थित शाखा में कार्यरत रहा था। इन्हीं शाखाओं में रहते हुए उसने गड़बड़ की। इसके बाद वह सोजती गेट शाखा में आ गया। वर्तमान में वह सोजती गेट शाखा में सह प्रबंधक था।

बासनी और जालोरी गेट शाखा में रहते हुए उसने फर्जी डॉक्युमेंट के जरिए कई क्रेडिट कार्ड जारी किए, खुद उनका वैरिफिकेशन किया। फिर दोस्तों, रिश्तेदारों के बिजली बिल, अन्य बिल, शॉपिंग व अन्य खर्चों के लिए उन्हें क्रेडिट कार्ड देता। बदले में उनसे कैश ले लेता था। इस तरह दो साल में उसने 1 करोड़ से ज्यादा का गबन किया।

जानकारी के अनुसार दोनों बैंक शाखाओं में जब 20 क्रेडिट कार्ड के 1 करोड़ से ज्यादा के बिल लंबे समय से बकाया आए तो मामला उजागर हो गया। आकाश ने काफी शातिर तरीके से बैंक से धोखाधड़ी की। उसने असिस्टेंट मैनेजर पद का फायदा उठाया। पहले क्रेडिट कार्ड जारी करवाए, फिर वैरिफिकेशन में धांधली की। उसने सभी कार्ड की लिमिट 5 लाख रुपए रखी, ताकि अधिक से अधिक फ्रॉड किया जा सके। सभी कार्ड वह अपने पास ही रखता था और जरूरत के वक्त दोस्तों-रिश्तेदारों को देता था।

आरोपी आकाश ने पिछले दो साल में इन सभी कार्ड की पूरी लिमिट करीब 1 करोड़ रुपए यूज कर ली थी। इसके बाद बिलों का पैसा वापस बैंक में जमा नहीं कराया, जिसके कारण बैंक प्रशासन ने बकाया राशि को लेकर जांच की।

बहरहाल शास्त्रीनगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। बैंक से संबंधित दस्तावेज मंगवाए गए हैं।

बैंक अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले दो साल से 20 क्रेडिट कार्ड का पेमेंट बकाया चल रहा था। बैंक के कर्मचारियों ने इन क्रेडिट कार्ड के लिए लगाए गए दस्तावेज खंगाले तो कोई जानकारी नहीं मिली। जिनके डॉक्युमेंट लगे थे, उन्होंने कहा कि वे क्रेडिट कार्ड के बारे में नहीं जानते। जांच की तो पता चला कि सभी कार्ड एक ही अधिकारी (आकाश वर्मा) ने वैरिफाई किए हैं। जिन लोगों के नाम पर ये क्रेडिट कार्ड थे, वे या तो आकाश के दोस्त निकले, या फिर रिश्तेदार। इसके बाद मामला साफ हो गया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908